वर्ष: 6 अंक: 24

16-30 जून, 2026 (नि:शुल्क)

न्यू इंडिया समाचार

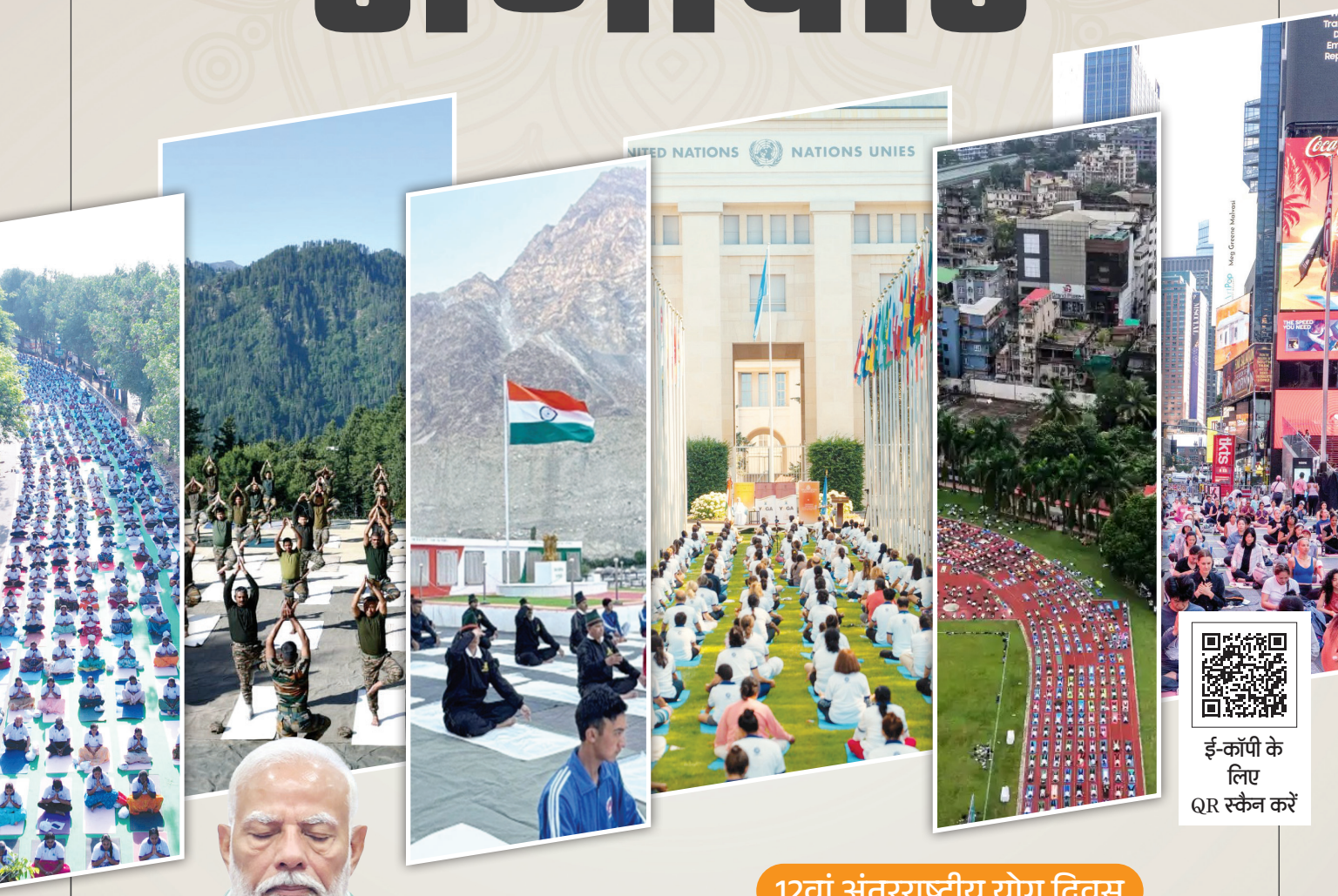

ई-कॉपी के लिए QR स्कैन करें

12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

भारत ने दिया सूत्र

विश्व ने पाई शक्ति

शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' संपूर्ण विश्व को एकजुट करने का एक पावन माध्यम बन चुका है। भारत की इस प्राचीन धरोहर ने आज वैश्विक स्तर पर जन-स्वास्थ्य और आंतरिक शांति की दिखाई है नई राह...

हमें फॉलो करें @NISPIBIndia

समृद्ध चोल साम्राज्य इतिहास और संस्कृति पर गर्व

रेडियो पर प्रसारित होने वाले लोकप्रिय 'मन की बात' कार्यक्रम के लिए हर महीने देश के अलग-अलग हिस्सों से ढेरों संदेश मिलते हैं। इस कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता से जन हितैषी संवाद करते हैं। 31 मई 2026 को प्रसारित मन की बात कार्यक्रम की 134वीं कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी ने गर्मी से बचाव के सुझाव साझा करने के साथ हाइड्रेटेड रहने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने चोल साम्राज्य के समृद्ध इतिहास और संस्कृति सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर बात की। प्रस्तुत है मन की बात के संपादित प्रमुख अंश...

- **राष्ट्रीय रिकार्ड :** झारखंड के रांची में नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कंपीटिशन हुआ। इसमें करीब 800 एथलीट ने हिस्सा लिया जो देशभर से आए थे। इस दौरान चार अलग-अलग इवेंट में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटे।
- **गर्मी से बचाव :** इस समय देश के ज्यादातर हिस्सों में बहुत गर्मी पड़ रही है। ऐसे मौसम में अपना ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पानी पीते रहिए। धूप में अगर निकलना ही पड़े तो थोड़ा संभल कर निकलें। इस दिशा में सरकार के अलग-अलग विभागों ने जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वो भी भूलियेगा नहीं।
- **सत्तू का शरबत :** बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत बेहद शानदार पेय है। यह पेट भी भरता है और भरपूर ताकत भी देता है।
- **ताम्र पट्टिकाएं :** यूरोप के नीदरलैंड में एक ऐसा क्षण आया जिसने हर भारतीय को गर्व से भर दिया। वहां आयोजित एक विशेष समारोह में चोल काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गई।
- **खगोल विज्ञान :** हमारे देश में खगोल विज्ञान ने हर पीढ़ी में कौतूहल जगाया है। एक्सप्लोरेशन के लिए प्रेरित किया है। आज के युवाओं में भी इसे लेकर काफी उत्साह दिखाई दे रहा है।
- **डॉल्फिन :** डॉल्फिन बचाव एम्बुलेंस को चलते-फिरते अस्पताल की तरह तैयार किया गया है। इसमें डॉल्फिन को सुरक्षित रखने की व्यवस्था है। ऑक्सीजन की सुविधा है, विशेष स्ट्रेचर हैं, बचाव के उपकरण हैं, यानी अगर कोई डॉल्फिन, घायल हो जाए, नहर में फंस जाए या नदी से कट जाए, तो तुरंत उसकी मदद की जा सकती है।
- **जैव विविधता :** जब हम गंगा डॉल्फिन को बचाते हैं, तो हम सिर्फ एक प्रजाति को नहीं बचाते, हम गंगा की जैव विविधता को बचाते हैं। नदी के पूरे जीवन तंत्र को बचाते हैं और अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की एक अमूल्य धरोहर भी बचाते हैं।
- **जरूरी नहीं बड़ा साधन:** केरलम के आलुवा में साजी वलाशेरिल अब तक 15 हजार से ज्यादा लोगों को तैरना सिखा चुके हैं। एक नौका हादसे में कई छात्रों की मृत्यु की पीड़ा के बाद यह अभियान शुरू किया था। साजी वलाशेरिल का जीवन, हमें यह सीख देता है कि सेवा करने के लिए बहुत बड़े साधन जरूरी नहीं होते। जरूरी होता है-एक अच्छा इरादा और लगातार प्रयास।
- **देशभक्ति की भावना :** गिरिजा अम्मा जी करीब 15 स्कूल चलाती हैं। इनमें चेन्नई का जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यालय बहुत प्रमुख है। उनकी देशभक्ति की भावना हर भारतवासी को प्रेरित करने वाली है।
- **लोगों की शक्ति :** भारत के हर गांव में, हर शहर में, कुछ-न-कुछ ऐसा हो रहा है जो हमें प्रेरणा देता है। कई बार, इन प्रयासों की ज्यादा चर्चा नहीं होती लेकिन जब हम इन्हें जानते हैं तो ये विश्वास और मजबूत होता है कि देश, अपने लोगों की शक्ति से आगे बढ़ रहा है।
- **अच्छा काम :** मेरा आपसे आग्रह है, अपने आसपास ऐसे प्रयासों को जरूर देखिए। जो लोग समाज के लिए अच्छा काम कर रहें हैं, उन्हें पहचानिए, उनकी सराहना कीजिए, उनसे सीखिए और हो सके तो खुद भी किसी अच्छे काम से जुड़िए।

'मन की बात' पूरी सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें।

न्यू इंडिया
समाचार

वर्ष: 6, अंक: 24 | 16-30 जून, 2026

प्रधान संपादक
धीरेन्द्र ओझा
प्रधान महानिदेशक
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली

मुख्य सलाहकार संपादक
संतोष कुमार

वरिष्ठ सहायक सलाहकार संपादक
पवन कुमार

सहायक सलाहकार संपादक
अखिलेश कुमार
चन्दन कुमार चौधरी

भाषा संपादन
सुमित कुमार (अंग्रेजी)
रजनीश मिश्रा (अंग्रेजी)
नदीम अहमद (उर्दू)

सीनियर डिजाइनर
फूलचंद तिवारी

डिजाइनर
अभय गुप्ता
सत्यम सिंह

13 भाषाओं में उपलब्ध न्यू इंडिया समाचार को पढ़ने के लिए क्लिक करें।

https://newindiasamachar.pib.gov.in/news.aspx

न्यू इंडिया समाचार के पुराने अंक पढ़ने के लिए क्लिक करें

https://newindiasamachar.pib.gov.in/archive.aspx

न्यू इंडिया समाचार के बारे में लगातार अपडेट के लिए फॉलो करें: @NISPIBIndia

अंदर के पन्नों पर...

आवरण कथा

21 जून को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। यह एक विशेष अवसर लेकर आया है। इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं, इसलिए जून का महीना उत्सव का महीना बन गया है। | 8-17

राष्ट्र के नायकों का अभिनंदन...

नागरिक अलंकरण समारोह-1 में वर्ष 2026 के पद्म पुरस्कारों से सम्मानित हुईं देश की 66 विभूतियां | 22-27

समाचार सार | 4-5

व्यक्तित्व : विनीता सोरेन
माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय आदिवासी युवती | 6

नियमित निगरानी और जन भागीदारी पर जोर
प्रधानमंत्री मोदी ने की 51वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता | 7

युवाओं की निरंतर प्रगति, विकसित भारत की शक्ति
19वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित | 18-19

खाद्य सुरक्षा और स्वच्छ परिवहन को नई गति
केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय | 20-21

यूरोप से खाड़ी तक
भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का प्रदर्शन

पीएम मोदी की संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा, भारत की नई वैश्विक रणनीति का सशक्त प्रदर्शन | 28-32

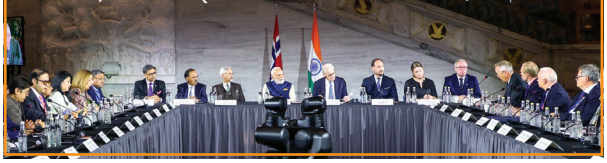

प्रकाशक: कंचन प्रसाद, महानिदेशक, सीबीसी (केंद्रीय संचार ब्यूरो)। **पत्राचार और ईमेल के लिए पता:** कमरा संख्या-1077, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110003. **ईमेल- response-nis@pib.gov.in आर. एन. आई. नंबर DELHIN/2020/78812**

संपादक की कलम से...

योग : भारत की प्राचीन धरोहर

विश्व की पहचान

सादर नमस्कार।

सुधी पाठकों, जून का महीना इस बार एक विशेष अवसर और उत्सव का संदेश लेकर आया है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने का अवसर है, वहीं दूसरी ओर विश्व 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी मना रहा है। 12 के अंक का यह संयोग अवसर और उत्सव का एक अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

आज के तेज गति वाले जीवन में योग मन, शरीर, बुद्धि और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर व्यक्ति के जीवन में शांति का संचार करता है। योग व्यक्ति को परिवार से जोड़कर खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करता है। परिवारों को समाज के प्रति संवेदनशील बनाकर सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करता है। यही समाज राष्ट्र की एकता का आधार बनता है और विश्व में शांति तथा सौहार्द का संदेश प्रसारित करता है। इस प्रकार योग व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र, विश्व और संपूर्ण मानवता को जोड़ने का कार्य करता है।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों को विश्व समुदाय का अभूतपूर्व समर्थन प्राप्त हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2015 से प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाने लगा। भारत में योग की परंपरा लगभग 5,000 वर्ष पुरानी है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासभा की मान्यता ने इसे वैश्विक पहचान प्रदान की। इसके साथ ही योग से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों का भी विस्तार हुआ और स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक सशक्तीकरण को भी नई गति मिली। आज योग भारत की वैश्विक पहचान बन चुका है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। यही इस बार के हमारे अंक की आवरण कथा बनी है।

इसके अलावा व्यक्तित्व की कड़ी में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय आदिवासी युवती विनीता सोरेन, केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय, विदेश यात्रा, रोजगार मेला, 51वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पखवाड़े भर के कार्यक्रमों को इसमें शामिल किया गया है।

साथ ही, पत्रिका के इनसाइड पेज पर मन की बात और बैक कवर पर हर साल 27 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर विशेष सामग्री समाहित है।

आप अपना सुझाव हमें भेजते रहें।

(धीरेन्द्र ओझा)

हिंदी, अंग्रेजी व अन्य 11 भाषाओं में उपलब्ध पत्रिका पढ़ें/डाउनलोड करें।
https://newindiasamachar.pib.gov.in/news.aspx

आपकी बात...

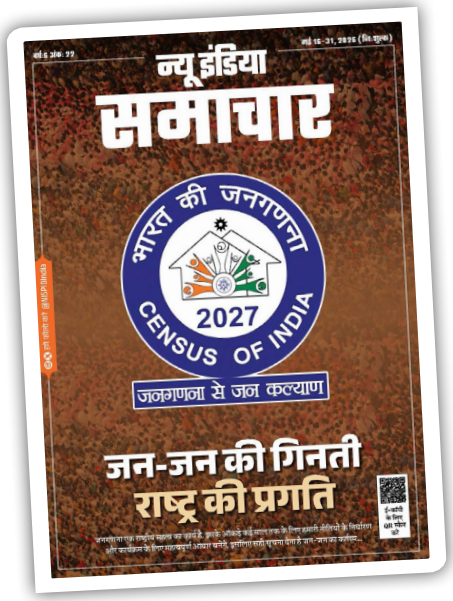

पाठकों के दिलों को गहराई से छू जाती है पत्रिका

'न्यू इंडिया समाचार' प्रमुख योजनाओं और 'नए भारत' की भावना को उजागर करता है। मेरा मानना है कि यह रचनात्मक योगदान एक जागरूक नागरिक के दृष्टिकोण से लिखा जाता है। जो पाठकों के दिलों को गहराई से छू जाता है। यह उस भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक बदलाव को दर्शाता है जिसे हम प्रभावित क्षेत्रों में देखना चाहते हैं। आपके कीमती समय और भारत की प्रगति को दस्तावेजित करने के आपके अद्भुत कार्य के लिए आपका हार्दिक धन्यवाद।

राजा मुथ्याला
rajaa.muthyala@gmail.com

देश विकास की राह पर अग्रसर

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मैंने देश के ऐतिहासिक महत्व और पहली बार काशी विश्वनाथ मंदिर की वैदिक घड़ी के विषय में सुना और पढ़ा। देश का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रबंधन और दूरदर्शी सोच के साथ भारत विकास की राह पर अग्रसर है। साथ ही आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिल रही है। भावी पीढ़ी जागरूक हो रही है।

नीरज कुमार अग्रवाल
neerajagarwal951@gmail.com

तेज गति से तरक्की कर रहा है भारत

मुझे न्यू इंडिया समाचार का आर्टिकल डिजिटल मीडिया के माध्यम से पढ़ने को मिला। हमारा भारत सबसे तेज गति से तरक्की कर रहा है। मुझे हर उस महिला पर गर्व है जो देश की तरक्की के लिए काम करती हैं। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से विश्व ने भारत की अनोखी ताकत देखी।

jamesdevassy603@gmail.com

प्रेरणा देने वाला और उपयोगी फीचर छापने के लिए बधाई

मैं न्यू इंडिया समाचार के 1-15 मई, 2026 के एडिशन में छपी बेहतरीन कवर स्टोरी, "न्यू इंडिया एंड वीमेन-लेड लीडरशिप" की दिल से तारीफ करता हूं। इस फीचर ने खूबसूरती से दिखाया कि कैसे महिलाएं न्यू इंडिया में बदलाव और राष्ट्र-निर्माण की सच्ची ड्राइवर के तौर पर उभर रही हैं। ये लाइनें, "वह पहले से तय सीमाओं में बंधे रहने के लिए नहीं बनी थीं बल्कि, वह नए रास्ते बनाने के लिए बनी थीं," खासतौर पर प्रेरणा देने वाली थीं। इस आर्टिकल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति को मजबूत बनाने और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को मजबूत करने के विजन एवं कमिटमेंट को भी असरदार तरीके से दिखाया गया है। इतना प्रेरणादायी फीचर छापने के लिए एडिटोरियल टीम को बधाई।

michaelbks@gmail.com

सभी लेटेस्ट डेवलपमेंट न्यूज एवं कोशिशों को जानकर हूं खुश

देश में चल रही विकास यात्रा पर एक ऑल-राउंडर मैगजीन के लिए मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करें। मैं इस पत्रिका का नियमित पाठक हूं। सरकार के सभी लेटेस्ट डेवलपमेंट न्यूज एवं कोशिशों को जानकर सच में बहुत खुश हूं।

मनमोहन बहेड़
man.bahed82@gmail.com

पत्राचार और ईमेल के लिए पता: कमरा संख्या-1077, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110003

ईमेल- response-nis@pib.gov.in

समाचार सार

विकसित भारत-जी राम जी 1 जुलाई से होगा लागू

ग्रामीण भारत के विकास और रोजगार को नई दिशा देने वाला विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी विकसित भारत जी राम जी अधिनियम देश भर में 1 जुलाई 2026 से लागू हो रहा है। इस नई व्यवस्था में प्रत्येक ग्रामीण परिवार, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए आवेदन करेंगे, उन्हें प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के मजदूरी आधारित रोजगार की वैधानिक गारंटी दी जाएगी। यह मनरेगा में मिलने वाली 100 दिन की रोजगार गारंटी से 25 दिन अधिक है।

नए कानून में श्रमिकों को उनकी रोजगार मांग के अनुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य उपलब्ध कराया जाएगा। ऐसा न होने की स्थिति में श्रमिक बेरोजगारी भत्ता पाने के हकदार होंगे। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक या मस्टर रोल बंद होने के 15 दिन के भीतर डीबीटी के माध्यम से सीधे श्रमिकों के खातों में किया जाएगा। यदि ऐसा नहीं होता है, तो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार श्रमिक विलंब क्षतिपूर्ति (मुआवजा) पाने के पात्र होंगे। वर्तमान ई-केवाईसी सत्यापित मनरेगा जॉब कार्ड, ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत मान्य रहेंगे। केवल ई-केवाईसी लंबित होने के कारण किसी भी श्रमिक को रोजगार से वंचित नहीं किया जाएगा।

भोपाल में नौसैनिक नौकायन केंद्र का शुभारंभ

भारतीय नौसेना ने 17 मई, 2026 को भोपाल की प्रसिद्ध अपर लेक में अपने प्रमुख नौसैनिक नौकायन केंद्र का शुभारंभ किया, जिसे भोजताल के नाम से भी जाना जाता है। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह नौकायन केंद्र भारतीय नौसेना की नौकायन टीम, नौसेना की रोइंग, कैनोइंग और कयाकिंग टीमों के साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के प्रशिक्षण के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाएगा। वर्तमान में नौसेना नौकायन टीम के कुल 34 सदस्यों में से 17 सदस्य मध्य प्रदेश से हैं। इस सुविधा का उद्देश्य राज्य के अधिकाधिक युवाओं को प्रतिस्पर्धी जल क्रीड़ाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना और उन्हें रक्षा बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओलंपिक और एशियाई खेलों के लिए विश्वस्तरीय खेल प्रतिभाओं के बढ़ावा देने के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'कॉफीज ऑफ नागालैंड' मिशन का शुभारंभ

नागालैंड के लिए क्लस्टर-आधारित 'कॉफी मूल्य श्रृंखला विकास मिशन' का शुभारंभ किया गया है। 175 करोड़ रुपये के खर्च के साथ 'कॉफीज ऑफ नागालैंड' मिशन की रूपरेखा तय की गई है। इस मिशन में यह सुनिश्चित किया गया है कि इसमें शामिल उपाय जमीनी वास्तविकताओं और कॉफी उत्पादक समुदायों की आकांक्षाओं के अनुसार हों। यह मिशन क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण के अनुरूप है। इतना ही नहीं, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 'अरुणाचल कीवी: अरुणाचल प्रदेश की यूएसपी - अरुणाचल प्रदेश राज्य के लिए क्लस्टर-आधारित कीवी खेती और मूल्य श्रृंखला विकास मिशन' की भी शुरुआत की।

भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन...सिर्फ पानी भाप

भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोन ट्रेन पटरी पर दौड़ने को तैयार है। अब बिना धुएं और प्रदूषण वाली भविष्य की यह ट्रेन 1,200 किलोवाट इंजन के साथ अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। भारतीय रेलवे ने उत्तरी रेलवे के जींद-सोनीपत खंड पर हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित 10 कोच वाली इस ट्रेन को चलाने की मंजूरी दी है। यह रेलवे में अगली पीढ़ी की ईंधन प्रौद्योगिकी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हाइड्रोजन ट्रेन की पहल के साथ, भारत अब जर्मनी, जापान, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे चुनिंदा देशों के उस एलीट क्लब में शामिल हो गया है जो स्वच्छ रेल परिवहन के लिए हाइड्रोजन के उपयोग की संभावनाओं का पता लगा रहे हैं। नई सोच, नई ऊर्जा के साथ नए भारत की इस हाइड्रोजन ट्रेन से प्रदूषण नहीं, केवल पानी की भाप उत्सर्जित होती है। स्वदेशी तकनीक, सुरक्षित संचालन के साथ स्वच्छ ऊर्जा वाली यह ट्रेन भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

30 जून तक देशभर में चलेगा 'खेत बचाओ अभियान'

"खेत बचाओ अभियान" केवल एक जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि खेत, किसान और गांव को जोड़ने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान है। अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाया जा रहा है। इस अभियान का फोकस रासायनिक उर्वरकों और उसके असंतुलित उपयोग को कम करने पर है। अभियान में किसानों को मृदा परीक्षण आधारित, संतुलित और सही मात्रा में खाद उपयोग सहित कई अन्य जानकारियां दी जाएंगी।

'हाई-लेवल कमेटी ऑन डेमोग्राफी चेंज' का गठन

घुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "हाई-लेवल कमेटी ऑन डेमोग्राफिक चेंज" की घोषणा की थी। इस प्रस्ताव को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वीकृति दी थी। अब सरकार ने इस कमेटी का गठन किया है। यह कमिटी, अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन का व्यापक मूल्यांकन करेगी और धार्मिक एवं सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का विश्लेषण करेगी। साथ ही इसका सुनियोजित और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करेगी। ■

जन्म : 21 जून 1987

माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय आदिवासी युवती

एवरेस्ट फतह करने वाली पहली आदिवासी युवती बन कर झारखंड की विनीता सोरेन ने इतिहास रच दिया। 25 वर्ष की उम्र में विनीता ने जिस ऊंचाई को छुआ, उसके पीछे उनकी मेहनत और अदम्य साहस की कहानी है। दुनिया के सबसे ऊंचे शिखर को छूकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि सपनों की ऊंचाई किसी सामाजिक सीमा में नहीं बंधी होती। झारखंड के एक छोटे से गांव से दुनिया की सबसे ऊंची चोटी तक का सफर तय करने वाली विनीता सोरेन आज देशभर की लड़कियों के लिए बन चुकी हैं प्रेरणा...

माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली विनीता का जीवन आम आदिवासी लड़कियों की तरह ही शुरू हुआ। यहां इस आम जीवन की सीमाएं खेतों में काम करने, सीमित शिक्षा और सीमित सपने तक ही निर्धारित थीं लेकिन विनीता के सपने एवरेस्ट से भी ऊंचे थे। 21 जून 1987 को जन्मी विनीता ने न केवल माउंट एवरेस्ट फतह किया, बल्कि अपने जुनून, जज्बे और जिद के बल पर भारतीय आदिवासी समाज को भी एक नई पहचान दिलाई।

कोल्हान की बेटी विनीता सोरेन का बचपन खेतों और सीमित सोच के बीच बीता। उनके गांव और आसपास के इलाकों में लड़कियों के लिए टीचिंग या नर्सिंग ही करियर माने जाते थे, लेकिन उनका सपना बिल्कुल अलग था। एवरेस्ट फतह करने से पहले उन्हें सात साल की कठोर मेहनत करनी पड़ी। इस दौरान उन्होंने सीखा कि पर्वतारोहण केवल ताकत नहीं, बल्कि मेंटल स्ट्रेंथ, साहस और संकल्प की भी परीक्षा है। भीषण ठंड और बर्फबारी के बीच कई बार कठिन पल आए। उन्हें कई बार ऐसा लगा कि इस सफर की मंजिल ही नहीं है लेकिन हिम्मत, लगन और दुनिया जीत लेने के जुनून ने उनको बर्फीले पर्वत की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचा दिया।

वर्ष 2004 में विनीता पहली बार बछेंद्री पाल से मिली थी और उनकी प्रेरणा से ही पर्वतारोही बनने का लक्ष्य तय किया। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला बछेंद्री पाल ने ही झारखंड की विनीता सोरेन को प्रशिक्षण दिया था। आदिवासी और किसान परिवार से होने की वजह से पर्वतारोही बनने की उनकी हिम्मत नहीं हो रही थी। घर से बाहर निकलना ही उनके लिए एवरेस्ट चढ़ने जैसा था लेकिन परिवार ने भरोसा किया, आगे बढ़ने की हिम्मत दी। कड़ी ट्रेनिंग के बाद बछेंद्री पाल ने जब विनीता से कहा कि अब तुम एवरेस्ट के लिए तैयार हो तो वह खुद को रोक नहीं सकी। अंततः उन्होंने एवरेस्ट फतह कर लिया। इसके बाद उन्होंने कई अन्य शिखरों को भी फतह किया। आज उनके परिवार को उनके नाम से जाना जाता है।

झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के केसोरसोरा गांव की मूल निवासी विनीता को कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत टाटा स्टील ने एवरेस्ट फतह अभियान में सहायता की। विश्व के सबसे ऊंचे 8,848 मीटर के पर्वत शिखर पर ग्रामीण आदिवासी युवती का चढ़ना अपने आप में एक रिकॉर्ड बन गया। उनकी उपलब्धियों के लिए देश में उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं। ■

प्रधानमंत्री मोदी ने की 51वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता

नियमित निगरानी और जन भागीदारी पर जोर

प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) भारत में डिजिटल गवर्नेंस का एक अहम और प्रभावी मंच बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नियमित अध्यक्षता में इस मंच ने मार्च 2015 से अब तक 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लगभग 390 बड़ी परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी क्रम में 27 मई को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रगति की 51वीं बैठक की अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को जोड़कर परियोजनाओं को बेहतर और समयबद्ध पूरा करना रहा...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईसीटी-सक्षम, मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म प्रगति की 51वीं बैठक की अध्यक्षता में लगभग 30,000 करोड़ रुपये की लागत वाली रेलवे, बिजली और सड़क क्षेत्र से जुड़ी सात बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सार्वजनिक परियोजनाओं को लागू करने में देरी से न केवल लागत बढ़ती है, बल्कि आम नागरिकों तक सुविधा पहुंचने में भी देरी होती है। उन्होंने कहा कि हर देरी का लोगों के जीवन, क्षेत्रीय विकास और सार्वजनिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। ऐसे में मंत्रालयों, विभागों और राज्यों को लंबित मुद्दों को सुलझाने, रुकावटों को दूर करने और काम को तेजी से पूरा करने के लिए सक्रिय तरीका अपनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को दूसरे राज्यों के लिए एक मॉडल के तौर पर काम करना चाहिए, ताकि वे राज्यों के बीच पानी से जुड़े मुद्दों को आपसी सहमति से सुलझा सकें। उन्होंने राज्यों से ठोस कचरा प्रबंधन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को जल्द से जल्द पूरा करने को कहा, जिसमें अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र और गोबरधन संयंत्र भी शामिल हैं। उधर प्रधानमंत्री की सलाह पर अमल करते हुए, राज्य स्तर पर सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं की मासिक समीक्षा की व्यवस्था शुरू की गई है, जिसकी शुरुआत स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा से हुई। ■

पीएम मोदी ने की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा

- रेलवे, बिजली और सड़क क्षेत्रों से जुड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना।
- स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 और केन-बेतवा लिंक परियोजना।
- शहरी इलाकों में मिशन-मोड पर रूफटॉप सोलर कवरेज बढ़ाने का आह्वान।

30,000 करोड़ रुपये के निवेश वाली परियोजनाएं 9 राज्यों में फैली हैं।

international day of yoga
21st June

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 12 वर्ष

योग बना दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक उत्सव

"योगश्चित्तवृत्तिनिरोध:" चित्त की वृत्तियों को रोकना ही योग है। 2014 में अलग से आयुष मंत्रालय बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं में आयुर्वेद के साथ योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को एकीकृत करने की पहल की गई। वहीं भारत के प्रयासों की वजह से दुनिया में 21 जून 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत हुई। योग हमारी सभ्यता की पहचान है जो हमें हर तरह से सेहतमंद रखता है। आज योग के दम पर भारत पूरी दुनिया में अपनी 'सॉफ्ट पावर' का मनवा रहा है लोहा...

इस वर्ष 21 जून को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक विशेष अवसर लेकर आया है। इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं, इसलिए जून का महीना उत्सव का महीना बन गया है।

आम हो या खास, युवा हो या बुजुर्ग, महिला हो या बच्चा, आस्तिक हो या नास्तिक, 'योग' आज सभी उम्र के लोगों के शरीर, ऊर्जा, मस्तिष्क और मनोभाव की पहचान बन गया है। यह धर्म, संप्रदाय, जाति, अमीर-गरीब, देशों को अलग करने वाली सीमा रेखा के पार समूचे विश्व की एक भाषा बन गया है। योग की इसी विशेषता पर संस्कृत के महान कवि भर्तृहरि ने सदियों पहले अपने शतकत्रयम् में लिखा था-

धैर्यं यस्य पिता क्षमा च जननी शान्तिश्चिरं गेहिनी
सत्यं सूनुरयं दया च भगिनी भ्राता मनः संयमः।
शय्या भूमितलं दिशोऽपि वसनं ज्ञानामृतं भोजनं
एते यस्य कुटिम्बिनः वद सखे कस्माद् भयं योगिनः।।

सदियों पहले कही गई इस बात का सीधा-सीधा मतलब है कि नियमित योगाभ्यास करने पर कुछ अच्छे गुण सगे-संबंधियों और मित्रों की तरह हो जाते हैं। योग करने से साहस पैदा होता है जो सदा ही पिता की तरह हमारी रक्षा करता है। क्षमा का भाव उत्पन्न होता है, जैसा मां का अपने बच्चों के लिए होता है और मानसिक शांति हमारी स्थायी मित्र बन जाती है। भर्तृहरि ने कहा है कि नियमित योग करने से सत्य हमारी संतान, दया हमारी बहन, आत्मसंयम हमारा भाई, स्वयं धरती हमारा बिस्तर और ज्ञान हमारी भूख मिटाने वाला बन जाता है। जब इतने सारे गुण किसी के साथी बन जाएं तो योगी सभी प्रकार के भय पर विजय प्राप्त कर लेता है।

दरअसल, मुफ्त में कहीं भी स्वास्थ्य बीमा नहीं होता है, लेकिन योग स्वास्थ्य की एकमात्र ऐसी गारंटी है जो जीरो बजट में स्वास्थ्य का भरोसा देता है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, "इस शताब्दी में हम अनुभव कर रहे हैं कि योग ने विश्व को जोड़ दिया है। जैसे योग शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा को जोड़ता है, वैसे ही योग आज विश्व को भी जोड़ रहा है। हर कोई चाहता है कि तनाव मुक्त जीवन हो, बीमारी से मुक्त हो, प्रसन्न हो, इन सबको किसी एक मार्ग से पाया जा सकता है, तो वह मार्ग है योग का। एक संपूर्ण जीवन को संतुलित रूप में कैसे जिया जा सकता है। तन से, मन से, विचारों से, आचारों से स्वस्थ होने की अंतर्यात्रा कैसे चले वह अनुभव करना है तो योग के माध्यम से हो सकता है।"

योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि स्वयं के साथ, विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है। प्रधानमंत्री बनने के महज चार महीने के भीतर पीएम मोदी ने 27 सितंबर 2014 को योग को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने की पहल की, जिसे दिसंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकृत कर 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी।

योग बना वैश्विक पर्व

योगःकर्मसु कौशलम।। अर्थात्, कर्म की कुशलता ही योग है। यह मंत्र सदा हमें सिखाता है कि योग के द्वारा जीवन में अधिक योग्य बनने की क्षमता पैदा होती है। अगर हम अपना काम अनुशासन से करते हैं, अपना दायित्व निभाते हैं, तो भी यह एक तरह का योग ही है। इसी मंत्र को साकार करते हुए योग को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाकर भारत ने सॉफ्ट पावर के रूप में अपनी पहचान बनाई है, तो योग को कर्मयोग से जोड़कर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के तौर पर विकास की शक्ति को कई गुना बढ़ा दिया है।

भारत ने सबसे प्रभावी समूह जी-20 की अध्यक्षता करते हुए, उसके हर आयोजन में योग को विशेष तौर से हिस्सा बनाकर भारतीय सभ्यता की पहचान को मजबूती दी। 2014 में अलग से आयुष मंत्रालय बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं में आयुर्वेद के साथ योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को एकीकृत करने की पहल की। भारत के इन प्रयासों के कारण ही दुनिया में 21 जून 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों का ही परिणाम है कि भारत की प्राचीनतम और समृद्ध परंपरा के रूप में योग रोगों से बचाव का साधन बना और दुनिया को भी इस ताकत का अहसास हुआ। आज योग वैश्विक सहयोग का पारस्परिक आधार बन रहा है। आज योग मानव मात्र को निरोग जीवन का विश्वास दे रहा

"जब हम योग से चलते हैं, कर्मयोग की भावना से चलते हैं, तो व्यक्ति, समाज और देश के तौर पर हमारी शक्ति भी कई गुना बढ़ जाती है। हमें इसी भावना से संकल्प लेना है- हम अपने स्वास्थ्य के लिए, अपनों के स्वास्थ्य के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। एक सजग नागरिक के रूप में हम एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

है। योग की जो तस्वीरें कुछ वर्ष पहले केवल घरों में, आध्यात्मिक केंद्रों में दिखती थीं, वो आज विश्व के कोने-कोने से आ रही हैं।

योग अब एक वैश्विक पर्व बन गया है, क्योंकि योग किसी व्यक्ति

योग में अनुसंधान

100 | **जिलों में किए गए बहु केंद्रीय, राष्ट्रव्यापी शोध अध्ययन में पाया गया कि मधुमेह को नियंत्रित करने में योग प्रभावी है।**

- शोध अनुसंधानों के प्रकाशन में करीब छह गुना, क्लिनिकल ट्रायल में करीब 11% की वृद्धि हुई। एम्स नई दिल्ली के सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन के 20 से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित।
- योग का अभ्यास करने वाले रोगियों में कैंसर के पुनः उत्पन्न होने का जोखिम करीब 15 प्रतिशत तक कम हुआ।
- न्यूरोलॉजी जर्नल इन माइग्रेन में प्रकाशित एक शोध के अनुसार प्री डायबिटिक रिवर्सल भी योग से संभव है और अमेरिकन डायबिटिक एसोसिएशन ने भी इस अध्ययन की सराहना की थी।
- आयुष अनुसंधान पोर्टल में ही योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित करीब 1,426 शोध सूचीबद्ध हैं। इसमें 1,003 तो चिकित्सा अनुसंधान ही हैं।

योग दिवस में बढ़ती भागीदारी

- आईडीवाई 2016 में सीवाईपी आधारित मैत्रीपूर्ण योग प्रदर्शनों में भाग लेने वालों की संख्या करीब 85 लाख आंकी गई जो 2019 में करीब नौ करोड़ तक पहुंच गई थी।
- वर्ष 2022 के आईडीवाई में यह संख्या करीब 22.13 करोड़ तक पहुंची जबकि 2023 में संख्या करीब 23.44 करोड़ रही।
- आईवाईडी 2024 में 24.53 और आईवाईडी 2025 में भागीदारी 26 करोड़ के भी पार पहुंच गई।
- आईवाईडी 2026 में 21 जून को सीवाईपी आधारित मैत्रीपूर्ण योग प्रदर्शनों में यह आंकड़ा 27 करोड़ के भी पार होने की संभावना है।

मात्र के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए है। इस वर्ष जब दुनिया योग दिवस मना रही है, तब प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 12 वर्ष की यात्रा पूरी की है। भारतीय संस्कृति में 12 वर्ष का विशेष महत्व भी है, जो किसी तपस्वी के लिए एक युग के बराबर माना जाता है। साथ ही, भारत विकसित राष्ट्र बनने के अपने महत्वकांक्षी लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

बढ़ने लगा योग का वैश्विक बाजार

आज समय है कि योग से जुड़ी अनंत संभावनाओं को साकार किया जा सकता है। युवा बड़ी संख्या में योग के क्षेत्र में नए-नए विचारों के साथ आ रहे हैं। इस दिशा में आयुष मंत्रालय ने 'स्टार्टअप योगा चैलेंज' भी लांच किया। आयुष इंडस्ट्री की सबसे बड़ी ताकत ये है कि इसमें हर किसी के लिए अलग-अलग तरह के अवसर उपलब्ध हैं। उदाहरण के तौर पर, आज भारत में आयुष के क्षेत्र में करीब 40 हजार एमएसएमई यानी लघु उद्योग अनेक विविध उत्पाद दे रहे हैं और अनेक पहल कर रहे हैं। इनसे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ी ताकत मिल रही है।

12 साल पहले देश में आयुष इंडस्ट्री करीब-करीब 20 हजार करोड़ रुपये के आस-पास ही थी, जबकि आज आयुष इंडस्ट्री करीब-करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये के आस-पास पहुंच रही है। आने वाले समय में इसका ग्लोबल मार्केट में और बड़ा विस्तार होगा। आज ग्लोबल हर्बल मेडिसिन और स्पाइसेस का मार्केट 120 अरब डॉलर यानी करीब-करीब 10 लाख करोड़ रुपये के आस-पास का है। ट्रेडिशनल मेडिसिन का यह सेक्टर निरंतर विस्तार ले रहा है। इसकी हर संभावना का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत तैयार है। इसमें युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार पैदा होंगे। गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत के सहयोग से वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र स्थापित किया है।

भारत, डब्ल्यूएचओ के इस वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र जैसी पहल के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा में स्वयं को वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित कर रहा है। यह केंद्र पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने और उस पर अनुसंधान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह वैश्विक स्तर पर साक्ष्य-आधारित पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा (टीसीआईएम) के लिए एक महत्वपूर्ण ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करता है। इतना ही नहीं, केंद्र सरकार ने एम्स की तर्ज पर तीन और नए आयुर्वेद संस्थान बनाने की घोषणा की है।

दुनिया ने समझी हमारे योग की महत्ता

आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता का एक और बड़ा पक्ष योग टूरिज्म भी है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि स्वयं के साथ, विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है। जब 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मनाने का अनुमोदन किया गया और 193 सदस्यों वाली संस्था संयुक्त राष्ट्र महासभा में 177 सह समर्थक देशों की रिकॉर्ड सर्वसम्मति प्राप्त हुई। तब अपने प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकार किया- "योग स्वास्थ्य और

योग में प्रशिक्षण और शिक्षा

- योग के प्रचार और प्रसार में प्रशिक्षण का खास महत्व है। इसी को देखते हुए आयुष मंत्रालय की ओर से मोरारजी देसाई योग संस्थान सहित अन्य संस्थानों में विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- देश में इस समय 183 से अधिक विश्वविद्यालयों में योग पर पाठ्यक्रम शामिल किया गया है। ये विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं।
- योग प्रशिक्षण एवं प्रामाणीकरण के लिए ही योग प्रमाणन बोर्ड या वाईसीबी का गठन किया गया था।
- वाईसीबी के मुताबिक अब तक 9,600 से अधिक एसेसमेंट, 480 से अधिक परीक्षाएं, 14 से अधिक भाषाई परीक्षाएं आयोजित की जा चुकी हैं। साथ में 56 से अधिक देशों के परीक्षार्थियों का मूल्यांकन किया जा चुका है।
- एक जानकारी के मुताबिक इस समय विश्व में करीब तीन करोड़ योग साधक हैं। इस दशक के अंत तक इनकी संख्या 3.50 करोड़ पहुंचने का अनुमान है।
- वर्तमान में योग प्रमाणन बोर्ड की गतिविधियों में योग पेशेवरों का प्रमाणीकरण, योग संगठनों का सत्यापन, योग पेशेवरों के प्रमाणन निकायों का अनुमोदन और प्लेसमेंट मानकों के अनुसार योग संगठनों की ग्रेडिंग शामिल है।
- इसी के साथ विदेशों में स्थित विश्वविद्यालयों में भी योग विभाग शुरू किए गए हैं। पिछले पांच सालों में दुनिया भर में योग विद्यालयों और योग स्टूडियों में भी खासी वृद्धि हुई है।
- योग ने अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्टस मेडिसिन की टॉप-10 सूची में 7वां स्थान पाया है। योग को अब भारत सरकार ने प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता दे दी है।

कल्याण हेतु एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। जीवन के सभी क्षेत्रों में सामंजस्य स्थापित करता है इसलिए विश्व की आबादी में स्वास्थ्य के लिए योग अभ्यास के लाभों की जानकारी का व्यापक प्रसार फायदेमंद होगा।" इसी के साथ भारत में समग्र स्वास्थ्य क्रांति के एक नए युग का सूत्रपात हुआ, जो उपचार से ज्यादा रोकथाम के सिद्धांत पर आधारित है। जब संयुक्त राष्ट्र में योग के लिए भारत ने प्रस्ताव रखा, तो संयुक्त राष्ट्र का रिकॉर्ड है कि यह पहला ऐसा प्रस्ताव बना जिसे दुनिया के अधिकांश देशों ने सहभागी के रूप में स्वीकार किया। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में सबसे

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई)2026 का मुख्य आयोजन 21 जून को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में होगा। इस वर्ष के आयोजन का विषय 'स्वस्थ्य वृद्धावस्था के लिए योग' है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और स्वस्थ्य वृद्धावस्था को बढ़ावा देने में योग की भूमिका को दर्शाता है।

कम समय में स्वीकृति होने वाला प्रस्ताव भी बना।

योग को मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास

आजादी के बाद भारत में जन स्वास्थ्य के कार्यक्रमों में योग को जोड़ने के प्रयास तो हुए लेकिन ये इतने धीमे थे कि योग को उस दौर में वो पहचान नहीं मिल पाई जो मिलनी चाहिए थी। 1976 में पहला केंद्रीय योग अनुसंधान संस्थान (अब मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान) बनाया गया। 1978 में केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद की स्थापना की गई। वर्ष 2003 में भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी का नाम बदलकर आयुष विभाग कर दिया गया। लेकिन, असल शुरुआत हुई 9 नवंबर 2014 को जब आयुष क्षेत्र के लिए अलग से आयुष मंत्रालय की स्थापना हुई। यही नहीं, संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के साथ योग को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली तो यह विश्वभर में एक जनांदोलन के तौर पर उभरा। इतना ही नहीं, फरवरी 2016 में सरकार ने एक खास बोर्ड (राष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड) बनाया। इसके तहत देश में योग की ट्रेनिंग को बेहतर बनाने के लिए एम्स और आईआईटी जैसे बड़े संस्थानों के विशेषज्ञों को भी साथ जोड़ा गया है। हर साल विश्व योग दिवस के आयोजन में भारत अहम भूमिका निभाता है। नोडल मंत्रालय के रूप में आयुष मंत्रालय इसके लिए सामान्य योग प्रोटोकॉल भी जारी करता है। आशा कार्यकर्ताओं को योग प्रशिक्षण देकर उनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में योग के प्रचार-प्रसार के लिए कदम उठाया गया है।

योग को पहली बार प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता देने के लिए आयुष मंत्रालय और खेल मंत्रालय ने मिलकर पहल शुरू की है। योग को 'फिट इंडिया मूवमेंट' का हिस्सा बनाया गया। योग की पढ़ाई अब समय की मांग है। इसी को देखते हुए एनसीईआरटी ने कक्षा 1 से 10 तक के पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा के साथ योग को शामिल किया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 12,500 आयुष स्वास्थ्य

> *आज की आपाधापी और तेज भागती जिंदगी में योग मन, शरीर और बुद्धि के साथ आत्मा को जोड़कर व्यक्ति के जीवन में शांति लाता है। व्यक्ति को परिवार से जोड़कर परिवार में खुशहाली लाता है। परिवारों को समाज के प्रति संवेदनशील बना कर समाज में सद्भावना लाता है। समाज राष्ट्र की एकता के सूत्र बनते हैं। ऐसे राष्ट्र विश्व में शांति और सौहार्द लाते हैं। मानवता, बंधुभाव से पल्लवित और पोषित होती हैं। यानी योग व्यक्ति-परिवार-समाज-देश-विश्व और संपूर्ण मानवता को जोड़ता है।*
>
> **– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

योग 365...ताकि योग वार्षिक उत्सव नहीं, दैनिक अभ्यास में बदले

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2015 से मनाने की शुरुआत हुई, तब यह तेजी से विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य आंदोलनों में से एक बन गया। अब भारत सरकार इसे एक दिवसीय उत्सव की बजाय दैनिक आदत बनाना चाहती है। इसी उद्देश्य से योग 365 की शुरुआत की गई है। इसका लक्ष्य व्यक्तियों, संस्थानों और समुदायों को पूरे वर्ष नियमित रूप से योग से जोड़ना है। नियमित जनभागीदारी, संस्थागत सहयोग और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से योग 365 स्वास्थ्य और कल्याण को सभी के लिए सुलभ, समावेशी और आदत आधारित बनाने का प्रयास है। सरकार ने इस पहल के तहत निःशुल्क ऑनलाइन योग सत्र के लिए एक समझौता भी किया है। इसमें प्रतिदिन सरल योग सत्र आयोजित किए जाते हैं।

सामूहिक भुजंगासन का एशिया रिकॉर्ड दर्ज

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के आयोजन से 50 दिन पहले कान्हा शांति वनम में 6,000 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ भुजंगासन का अभ्यास किया। यह एक उपलब्धि के तौर पर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में एक साथ आसन करने वाले सबसे बड़े समूह के रूप में दर्ज किया गया। यह योग के माध्यम से प्रचारित सामूहिक भागीदारी और साझा कल्याण की भावना को दर्शाता है।

अब तक ऐसे मनाए गए हैं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

वर्ष-2025

विशाखापत्तनम में औपचारिक आयोजन, पीएम मोदी की मौजूदगी में 3 लाख से अधिक लोग शामिल, दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बने। 1- एक ही स्थान पर सबसे बड़े योग सत्र का, 2- सामूहिक सूर्य नमस्कार का।

थीम : 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'

वर्ष-2024

श्रीनगर में आयोजित योग कार्यक्रम की थीम व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग रही।

थीम : स्वयं और समाज के लिए योग।

वर्ष-2023

पीएम मोदी ने 2023 में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उत्सव का नेतृत्व किया था। योग उत्सव में 135 देशों की भागीदारी।

थीम : 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के लिए योग'।

वर्ष-2022

कर्नाटक के मैसूर में अन्य प्रतिभागियों के साथ पीएम मोदी ने किया था योग।

थीम : मानवता के लिए योग।

वर्ष-2021

वैश्विक महामारी को देखते हुए पीएम मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया था। डब्ल्यूएचओ -एम योग एप लांच।

थीम : आरोग्य के लिए योग।

वर्ष-2020

कोविड की वैश्विक आपदा की वजह से सार्वजनिक समारोह नहीं हुआ, लेकिन वर्चुअली आयोजन हुआ।

थीम : घर पर योग और परिवार के साथ योग।

वर्ष-2019

प्रधानमंत्री मोदी ने रांची में प्रतिभागियों के साथ मनाया था योग दिवस।

थीम : हृदय की देखभाल के लिए योग।

वर्ष-2018

देहरादून में 50 हजार प्रतिभागियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था योग।

थीम : शांति के लिए योग।

वर्ष-2017

51 हजार प्रतिभागियों के साथ लखनऊ में मनाया गया, यहां पीएम मोदी ने जीवन शैली में इसके महत्व की चर्चा की।

थीम : स्वास्थ्य के लिए योग।

वर्ष-2016

चंडीगढ़ में औपचारिक आयोजन, पीएम मोदी की मौजूदगी में 30 हजार लोगों ने भी हिस्सा लिया था।

थीम : सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए योग।

वर्ष-2015

नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजन, इसमें 35,985 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बने।

थीम : सद्भाव व शांति के लिए योग।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का थीम : 'स्वस्थ्य वृद्धावस्था के लिए योग'

और कल्याण केंद्रों के माध्यम से देश भर में योग प्रशिक्षण पर फोकस किया गया है।

मानव संस्कृति की अमर विरासत

भारतीयों के लिए यह गौरव की बात है कि आज देहरादून से लेकर डबलिन तक, शंघाई से लेकर शिकागो तक, जकार्ता से लेकर

जोहानिसबर्ग तक, योग ही योग है। हिमालय के हजारों फीट ऊंचे पर्वत हों या फिर धूप से तपता रेगिस्तान, योग हर परिस्थिति में, हर जीवन को समृद्ध कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं, "जब तोड़ने वाली ताकतें हावी होती है तो बिखराव आता है। व्यक्तियों के बीच समाज के बीच देशों के बीच बिखराव आता है। समाज में दीवारें खड़ी होती है, परिवार में कलह बढ़ता है और यहां तक कि व्यक्ति अंदर से टूटता है और जीवन में तनाव बढ़ता जाता है। इस बिखराव के बीच योग जोड़ता है। जोड़ने का काम करता है।"

योग के कारण अनेक नए-नए योग संस्थान विकसित हो रहे हैं। योग प्रशिक्षकों की मांग बढ़ी है। योग के संस्थानों में भी आज युवा एक पेशे के रूप में इसे स्वीकार कर स्वयं को तैयार कर रहे हैं। दुनिया के देशों में भारतीय योग प्रशिक्षकों की मांग बढ़ रही है। विश्व में एक नए रोजगार का बाजार योग ने तैयार कर दिया है। इन सभी में भारत के लोगों की प्राथमिकता दुनिया में सबसे पहले रहती है। कुछ वर्ष पूर्व ही यूनेस्को ने भी भारत के योग को मानव संस्कृति की एक अमर विरासत के रूप में मान्यता दी है। विश्व के संगठन स्कूलों, कॉलेजों में योग की ट्रेनिंग को हिस्सा बना रहे हैं। आज भारत में भी कई राज्य ऐसे हैं जिन्होंने योग को शिक्षा का एक उपक्रम बनाया है ताकि भावी पीढ़ी सदियों पुराने इस विज्ञान से परिचित हों, उसके अभ्यासु बनें और वे उनके जीवन का हिस्सा बनें।

योग का सॉफ्ट पावर बना भारत

योग की वैश्विक मान्यता ने भारत को एक सॉफ्ट पावर के रूप में पहचान दी है। किसी देश की बौद्धिक एवं सांस्कृतिक शक्ति (सॉफ्ट पावर) उसके समाज की रचनात्मक आकांक्षाओं को दर्शाती है और सरकार उसे आगे बढ़ाने में ही मदद कर सकती है। 2014 से पहले भी लोग विदेशों में योग करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से जब संयुक्त राष्ट्र ने इसे 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' घोषित किया, तब यह एक वैश्विक उत्सव बन गया। आज यह दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक उत्सव है।

योग की शुरुआत भारत में हुई थी,

योग का बढ़ता बाजार

- भारत में योग का इतिहास करीब 5 हजार साल पुराना।
- एलाइड मार्केट रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में 37.5 अरब डॉलर का था वैश्विक बाजार।

66.4 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा 2027 में योग का वैश्विक बाजार।

156.11 अरब डॉलर का वैश्विक स्तर पर योग पर्यटन का बाजार अनुमानित किया गया था वर्ष 2021 में।

5.8% की दर 2022-2030 के बीच इस बाजार की वार्षिक वृद्धि अनुमानित है www.grand-viewresearch.com के एक शोध अध्ययन के मुताबिक।

योग करते हुए चित्रों के साथ सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता के अवशेष एवं मुहरें भारत में योग की मौजूदगी का संकेत देती हैं।

योग का बढ़ता दायरा

6+
लाख योग स्वयंसेवकों को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने किया है प्रशिक्षित

7+
लाख योग पेशेवरों और स्वयंसेवकों को योग प्रमाणन बोर्ड के फ्रेमवर्क के तहत किया जा चुका है प्रमाणित

70+ प्राकृतिक चिकित्सा और योग विज्ञान में स्नातक (बीएनवाईएस) कॉलेज

5,000+
योग प्रशिक्षण संस्थान

190+
देशों में अब मनाया जाता है अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार भारत के

2.5 करोड़ परिवार में प्रतिदिन कम से कम एक व्यक्ति योग करता है।

योग की वैश्विक लोकप्रियता के चलते पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय योग बाजार में 5 गुणा की वृद्धि हुई है।

यह ऐसी तकनीक है, जो कोई भी मुफ्त में प्रयोग कर सकता है। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग की विशेषताओं और लाभ का जोर-शोर से प्रचार कर इसे विश्व स्तर पर मान्यता दिलाई। आज योग दुनिया में भारत की शक्ति के तौर पर दिखाई देता है। यह जनता की भलाई का वो वरदान है, जो भारत ने दुनिया को दिया है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की व्यापकता ने प्रत्येक नागरिक को यह अनुभूति कराई है कि राष्ट्र निर्माण की हर प्रक्रिया, हर गतिविधि से जुड़ने के लिए हम सभी का स्वस्थ रहना आवश्यक है। इसमें शायद ही किसी को संदेह होगा कि बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के कारण जीवन प्रत्याशा बढ़ी है, जिसने भारत की विकास की गति को तेज किया है। बढ़ती हुई कार्यक्षमता कर्मयोग में बदल गई है। स्वस्थ जीवन देश की आर्थिक सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जीवन जीने की औसत आयु में एक साल की भी बढ़ोतरी होती है तब देश की जीडीपी में 4 फीसदी की बढ़ोतरी होती है। ■

51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित

युवाओं की निरंतर प्रगति विकसित भारत की शक्ति

भारत के युवाओं को नए अवसर देने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में रोजगार मेला एक महत्वपूर्ण पहल है। देश भर में अब तक 19 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं को 12 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र सौंपे जा चुके हैं। 23 मई को देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित 19वें रोजगार मेले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी नौकरी हासिल करने वाले 51 हजार से अधिक युवाओं को वितरित किए नियुक्ति पत्र...

भारत के युवा विकसित भारत की यात्रा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आज हर भारतीय, एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। यह संकल्प, 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का है। रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अनेकों अभियानों पर भारत का पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर मिलकर बहुत बड़ा निवेश कर रहा है। यह निवेश देश के युवाओं को देश में ही नौकरी दे रहा है, उनके सपने पूरे कर रहा है। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद आपकी पहचान सरकारी कर्मचारी की बनने वाली है। ऐसे में आपको हमेशा यह ध्यान रखना है कि इज ऑफ डूइंग बिजनेस देश की कितनी बड़ी प्राथमिकता है।

आज भारत के युवा के पास जिस तरह से आगे बढ़ने, अपने सपने पूरा करने के मौके हैं, ऐसे अवसर पहले नहीं मिले। आज मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप, डिजिटल सर्विसेज, रेलवे,

> *आज भारत का युवा दुनिया के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है। यही स्पिरिट, यही ऊर्जा पब्लिक सर्विस में भी दिखाई देनी चाहिए। विकसित भारत ऐसे ही युवाओं के प्रयास से बनेगा, जो अपने काम को देश सेवा का माध्यम मानते हैं।*
>
> **–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

डिफेंस, स्पेस, ऐसे अनेक क्षेत्रों में अनगिनत अवसर देश के युवाओं का इंतजार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में कहा कि हमारा प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा युवा नए अवसरों का लाभ उठा सकें और अपनी प्रतिभा दिखाने का उन्हें पूरा मौका मिले। इसलिए,

विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्य करेंगे चयनित कर्मचारी

19वें रोजगार मेले में देश के सभी हिस्सों से चयनित जिन नवनियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिया गया वे रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग आदि सहित केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

युवा शक्ति को नए अवसर प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

- भारत सरकार और सहयोगी राज्य सरकारों द्वारा रोजगार के लाखों नियुक्ति पत्रों का वितरण।
- महिलाओं, दिव्यांगजनों और आकांक्षी जिलों के अभ्यर्थियों को विशेष लाभ।
- यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड और आईबीपीएस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां।
- समान अवसरों के लिए 13 क्षेत्रीय भाषाओं में भर्ती परीक्षाओं की सुविधा।
- I-GOT कर्मयोगी पोर्टल पर 4,800 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले ई-लर्निंग कोर्स से 1.65 करोड़ से अधिक कर्मचारी पा रहे प्रशिक्षण।
- पारदर्शी एवं मेरिट आधारित भर्ती प्रक्रिया से युवाओं के सपनों को नई उड़ान।

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

युवाओं को सरकारी नौकरी देने के लिए रोजगार मेला

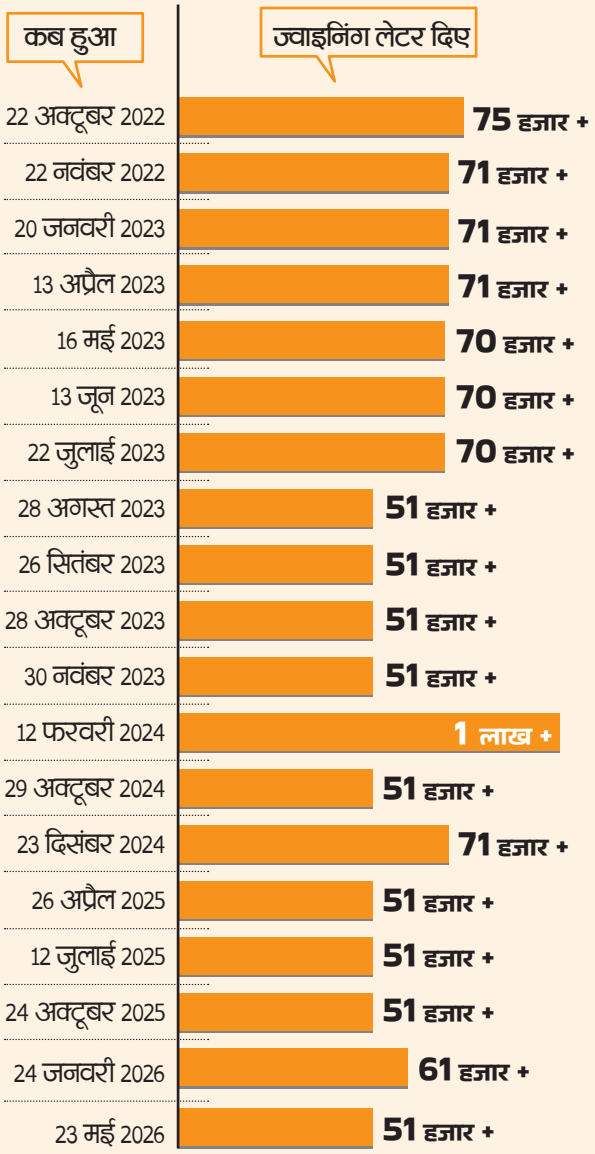

स्किल डेवलपमेंट, उद्योग-आधारित शिक्षा और फ्यूचर टेक्नोलॉजी पर लगातार जोर दिया जा रहा है। आईटीआई को आधुनिक और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान को मजबूत किया जा रहा है। पीएम सेतु जैसे अभियान इसी दिशा में काम कर रहे हैं।

बढ़ रही हैं भारत के लोगों की आकांक्षाएं

आज भारत के लोगों की आकांक्षाएं बहुत बढ़ रही हैं। यह विकास के सकारात्मक संकेत की तरह है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में कहा कि हमें अपने देश के लोगों की आकांक्षाओं को समझना भी है। उसके हिसाब से उतनी ही तेज गति से काम भी करना है। ऐसे में पब्लिक सर्विस में आने वाले युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। पीएम मोदी ने युवाओं से आग्रह किया कि आपको लगातार सीखते रहना होगा। खुद को नई टेक्नोलॉजी, नए सिस्टम और नई जरूरतों के हिसाब से तैयार करना होगा। इसमें आपको iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म से बहुत मदद मिलेगी। कर्मयोगी प्रारंभ जैसे मॉड्यूल से आपको अपनी जिम्मेदारियां समझने में बहुत सहूलियत होगी। मेरा आपसे आग्रह है कि इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय

खाद्य सुरक्षा और स्वच्छ परिवहन को नई गति

केंद्र सरकार गरीब कल्याणकारी योजनाओं को टेक्नोलॉजी से लैस कर अधिक पारदर्शी और सुविधा संपन्न बना रही है। इसी दिशा में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सार्थक पीडीएस फेज-2 के लिए 25,530 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। एआई-इनेबल्ड लाभार्थी रजिस्ट्री निर्माण, जीपीएस ट्रैकिंग और क्यूआर कोड टैगिंग जैसे हाईटेक सिस्टम के माध्यम से गरीबों तक सस्ते अनाज और अन्य योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाया जाएगा। साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर के अलावा दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पुराने ट्रकों और बसों को रिप्लेसमेंट करने की योजना सहित कई अन्य प्रस्तावों को दी गई मंजूरी...

निर्णय : दिल्ली-एनसीआर के पुराने ट्रक और बस होंगे बीएस-VI मानक या इलेक्ट्रिक से रिप्लेस, योजना को मंजूरी।

प्रभाव : दिल्ली-एनसीआर के लगभग 1.91 लाख ट्रक और 16,329 बसों को रिप्लेसमेंट किए जाने पर वाहन मालिकों को योजना का लाभ मिलेगा। यह पहल क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र की वायु गुणवत्ता में सुधार होगा।

निर्णय : ओडिशा में रामेश्वर से पारादीप तक नए तटीय राजमार्ग (दो पैकेज में निर्मित कुल 160.18 किलोमीटर लंबाई वाले तटीय राजमार्ग का हिस्सा) के निर्माण को हाइब्रिड एन्यूटी मोड पर मंजूरी।

प्रभाव : इसकी कुल लंबाई 160.18 किलोमीटर है। परियोजना पर 8300.79 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति सिद्धांतों के अनुरूप हैं। 9 इकोनॉमिक नोड एवं 5 लॉजिस्टिक नोड को आपस में जोड़ेंगी। इससे देश के लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

- परियोजना जब पूरी होगी तब रामेश्वर और पारादीप के बीच यात्रा का समय लगभग 2 घंटे 30 मिनट कम होने की उम्मीद है। यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए सुरक्षित, त्वरित और निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। इस परियोजना से ईंधन उपभोग, कार्बन उत्सर्जन और वाहन परिचालन लागत में भी कमी आएगी।

निर्णय : बिहार में एनएच-31 और एनएच-231 के खगड़िया-पूर्णिया खंड (143.529 किलोमीटर) को बीओटी (टोल) मोड पर 3,936.05 करोड़ रुपये की लागत से 4-लेन मानक में अपग्रेड करने की मंजूरी।

प्रभाव : इससे खगड़िया, भागलपुर, कटिहार और पूर्णिया जिलों के शहरी क्षेत्रों की गंभीर भौगोलिक खामियों, तीखे मोड़ों और भीड़भाड़ की समस्या का समाधान होगा। इस परियोजना में पूर्णिया शहर के लिए करीब 7 किलोमीटर लंबा एक विस्तारित ग्रीनफील्ड बाईपास भी विकसित किया जाएगा। इस परियोजना से न सिर्फ औसत यात्रा गति बढ़ेगी बल्कि यात्रा का समय लगभग दो घंटे कम होगा। सड़क सुरक्षा, ईंधन दक्षता और वाहन परिचालन लागत में सुधार होगा।

निर्णय : अनुसूचित भारतीय विमान सेवाओं को घरेलू और

निर्णय : राशन परिवहन, हैंडलिंग और पीडीएस ऑटोमेशन सहायता योजना (सार्थक-पीडीएस) को एकीकृत अम्ब्रेला योजना के रूप में जारी रखने की मंजूरी

प्रभाव :

- खाद्यान्न आवाजाही सहायता और स्मार्ट पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम(पीडीएस) योजनाओं को एकीकृत कर इसे सार्थक-पीडीएस नाम दिया गया है।
- राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा खाद्यान्नों की राज्य के भीतर आवाजाही और हैंडलिंग पर किए गए खर्च के लिए केंद्रीय सहायता मानदंडों में संशोधन।
- मौजूदा केंद्रीय वित्तीय सहायता और एफपीएस डीलरों के मार्जिन सहायता को जारी रखा जाएगा।
- अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक आधारित पीडीएस वितरण पर विशेष जोर।
- एनएफएसए के प्रभावी क्रियान्वयन की मजबूती के लिए एकीकृत एवं इंटर ऑपरेबल पीडीएस संरचना विकसित की जाएगी।
- पीडीएस संचालन के आधुनिकीकरण के लिए एआई, एमएल, एनएलपी और ब्लॉकचेन तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।
- रियल-टाइम मॉनिटरिंग और एआई-आधारित शिकायत निवारण प्रणाली विकसित की जाएगी।
- राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में आधार सीडिंग, **e-PoS** ऑटोमेशन और कम्प्यूटरीकृत सप्लाई-चेन प्रबंधन का विस्तार किया जाएगा।

₹ 25,530

करोड़ के केंद्रीय व्यय को 16वें वित्त आयोग की अवधि के लिए मंजूरी प्रदान की गई

81.35

करोड़ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाभार्थियों की खाद्य सुरक्षा में सहायक होगी

योजना 31 मार्च 2031 तक संचालित की जाएगी

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एटीएफ की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने में सहायता देने के के उद्देश्य से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 10,000 करोड़ रुपये तक की एकमुश्त बजटीय सहायता को मंजूरी।

प्रभाव : यह बजटीय सहायता पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुदान अनुरोधों के माध्यम से ओएमसी को ब्याज-मुक्त अग्रिम के रूप में दी जाएगी। पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन की कीमतों में अभूतपूर्व अस्थिरता बनी हुई है। इस दौर में एटीएफ की स्थिर कीमतों को सुनिश्चित करने हेतु ओएमसी को यह सहायता प्रदान की जाएगी।

निर्णय : राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-63 के मौजूदा आर्मूर-जगतियाल-मंचरियाल खंड को हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल (एचएम) के तहत और राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-563 के जगतियाल-करीमनगर खंड को बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (टोल) के तहत चार लेन मानक तक चौड़ा करने की मंजूरी।

प्रभाव : इन खंडों की कुल लंबाई 190.76 किलोमीटर है। परियोजना पर 7,500 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। परियोजना के पूर्ण होने पर यात्रा समय में कमी आएगी। सुरक्षित, तेज और निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। इस परियोजना से ईंधन की खपत, कार्बन उत्सर्जन और वाहन परिचालन लागत में भी काफी कमी आएगी।

निर्णय : मध्य प्रदेश में एनएच-347बी के 125 किलोमीटर के हिवारखेड़ी-रोशनी-आशापुर-रुधी खंड को 2 लेन में अपग्रेड करने और करीब 109 किलोमीटर के देशगांव-जुलवानिया खंड को 4 लेन बनाने वाली परियोजना को मंजूरी। निर्माण 'हाइब्रिड वार्षिकी मोड' से होगा।

प्रभाव : परियोजना पर अनुमानित 4,415.60 करोड़ रुपये खर्च होंगे। परियोजना से औसत यात्रा गति और कनेक्टिविटी बढ़ेगी। सड़क सुरक्षा, ईंधन दक्षता और वाहन परिचालन लागत में सुधार होगा। यह परियोजना मध्य प्रदेश के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निर्बाध रूप से जोड़ेगी।

मंत्रिमंडल के फ़ैसले पर प्रेस ब्रीफ़िंग देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

सम्मान समारोह का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

पद्म पुरस्कार 2026

राष्ट्र के नायकों का अभिनंदन...

राष्ट्रपति भवन का गणतंत्र मंडप एक बार फिर राष्ट्र की अनूठी प्रतिभाओं, असाधारण सेवा और अदम्य साहस की चमक से सराबोर हो उठा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 25 मई को भव्य नागरिक अलंकरण समारोह-एक में वर्ष 2026 के लिए चयनित 131 में से 66 हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कारों से किया सम्मानित...

समारोह के पहले चरण में 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए गए। यह समारोह केवल पुरस्कार वितरण का गवाह नहीं बना, बल्कि यह जमीनी स्तर पर देश को बदलने वाले नायकों की साधना का उत्सव था। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन सपूतों और बेटियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने कला, साहित्य, समाजसेवा, विज्ञान और उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत का मान बढ़ाया है। यह कहानी है उन्हीं असाधारण व्यक्तित्व की, जिनकी यात्रा ने आज देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। केंद्र सरकार ने इसी साल 25 जनवरी को 131 पद्म पुरस्कार विजेताओं के नाम की घोषणा की थी।

पद्म विभूषण

धर्मेंद्र सिंह देओल (मरणोपरांत)

भारतीय सिनेमा के महान व्यक्तित्व और पूर्व सांसद थे। उन्हें हिंदी फिल्म उद्योग के इतिहास में बहुमुखी और व्यावसायिक रूप से सफल अभिनेताओं में से एक माना जाता है। वह बॉलीवुड के 'ही-मैन' के रूप में लोकप्रिय थे और उनका छह दशक से अधिक का शानदार करियर रहा है। उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। हिंदी सिनेमा में सबसे अधिक हिट फिल्मों का रिकॉर्ड बनाया। कला के प्रति अपने आजीवन समर्पण के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए। बॉलीवुड में उनके अपार योगदान के लिए उन्हें 1997 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ष 2012 में उन्हें देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया था। अपनी सिनेमाई उपलब्धियों के अलावा धर्मेंद्र वर्ष 2004 से 2009 तक राजस्थान के बीकानेर से लोकसभा सांसद भी रहे। 8 दिसंबर, 1939 को पंजाब के नसराली में उनका जन्म हुआ था।

पद्म श्री

- विश्वबन्धु (मरणोपरांत)
- भारत सिंह भारती
- तगा राम भील
- हरमनप्रीत कौर भुल्लर
- रतीलाल मोहनलाल बोरिसागर
- कुमार बोस
- जनार्दन बापूराव बोथे
- स्वामी ब्रह्मदेव
- प्रोसेनजीत चटर्जी
- देवकी अम्मा जी
- डॉ. रामचंद्र गोडबोले
- सुनीता गोडबोले
- तेची गुबिन
- डॉ. एच. वी. हण्डे
- गफरुद्दीन मेवाती जोगी
- मीर हाजी कासम
- रघुवीर खेडकर
- आर. कृष्णन किटना (मरणोपरांत)
- प्रो. डॉ. लार्स-क्रिश्चियन कोच
- प्रो. मामिडाला जगदीश कुमार
- प्रवीण कुमार
- के. विजय कुमार
- श्रीरंग देवबा लाड
- अंकेगौड़ा एम
- प्रोफेसर (डॉ.) सरोज मंडल
- प्रो. बुद्ध रश्मि मणि
- निलेश विनोदचंद्रा मांडलेवाला
- डॉ. महेन्द्र कुमार मिश्रा
- तृप्ति मुखर्जी

पद्म विभूषण

डॉ. (श्रीमती) एन. राजम्

संगीत के क्षेत्र में बेहतरीन और प्रतिष्ठित कलाकारों में से एक वायलिन कलाविज्ञ हैं। उनकी उंगलियां वायलिन के तारों को छूते ही समां बांध देती हैं। उन्होंने वायलिन पर संगीत की गायन शैली प्रस्तुत करने की 'गायकी अंग' नामक तकनीक की शुरुआत कर शास्त्रीय संगीत को एक क्रांतिकारी दृष्टिकोण दिया, जिससे वे विश्वभर में 'सिंगिंग वायलिन' के नाम से प्रसिद्ध हुईं। 16 मार्च 1939 को एर्नाकुलम के संगीत परंपरा के एक परिवार में जन्मी डॉ. राजम् ने पिता विदवान ए. नारायण अय्यर से विद्या ग्रहण की। अपने अभिनय करियर के अतिरिक्त डॉ. राजम् लगभग चार दशकों तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रदर्शन कला संकाय में प्रोफेसर रहीं। वे विभाग की प्रमुख और बाद में संकाय की डीन बनीं। डॉ. राजम् ने अमेरिका, कनाडा, रूस, फ्रांस, इटली और संपूर्ण यूरोप सहित दुनिया भर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। डॉ. राजम् को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हिंदुस्तानी संगीत के लिए उन्हें वर्ष 1984 में पद्म श्री, वर्ष 2004 में पद्म भूषण, वर्ष 1990 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पद्म भूषण

शतावधानी डॉ. आर. गणेश

शतावधानी डॉ. आर. गणेश भारत की अनूठी शास्त्रीय कला अवधान के विशेषज्ञ हैं जिसमें कलम और कागज की सहायता के बिना तत्काल छंदों के साथ विभिन्न काव्यात्मक चुनौतियों का हल करना शामिल है। यह चरम स्तर पर रचनात्मकता और विद्वता को परखता है। 4 दिसंबर 1962 को कर्नाटक के कोलार में जन्मे डॉ. गणेश ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री, संस्कृत में स्नातकोत्तर और कन्नड़ में डी.लिट की उपाधि प्राप्त की। वे काव्यशास्त्र, छंदशास्त्र, साहित्य, दर्शन और शास्त्रीय कलाओं के विद्वान हैं। उन्होंने साहित्य के साथ-साथ संगीत, नृत्य और रंगमंच में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कन्नड़ में उनके 15,000 घंटे से अधिक व्याख्यान ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

पद्म भूषण

भगत सिंह कोश्यारी

उत्तराखंड में 'भगत दा' के नाम से पहचान रखने वाले भगत सिंह कोश्यारी एक प्रतिष्ठित समाजसेवी, शिक्षाविद्, पत्रकार और राष्ट्रवादी नेता हैं। उन्होंने अपना जीवन जनसेवा तथा गरीब एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया है। 17 जून 1942 को उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के पलानधुरा गांव में जन्मे कोश्यारी ने 1964 में अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत व्याख्याता के रूप में की, लेकिन बाद में स्वयं को पूर्णतः शिक्षा और समाजसेवा के लिए समर्पित कर दिया। 1997 में वे उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बने। उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद वे राज्य के पहले मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री तथा बाद में मुख्यमंत्री बने। वे राज्यसभा सांसद, लोकसभा सांसद, महाराष्ट्र के राज्यपाल तथा अतिरिक्त प्रभार के रूप में गोवा के राज्यपाल भी रहे।

पद्म श्री

- हरिमाधव मुखोपाध्याय (मरणोपरांत)
- डॉ. ए. ई. मुथुनायगम
- सत्यनारायण नंदलाल जुवाल
- के. पजानिवेल
- धर्मिकलाल चुनीलाल पंड्या
- कैलाश चन्द्र पंत
- गरिमेला बालकृष्ण प्रसाद (मरणोपरांत)
- प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद
- डॉ. गुडूरु वेंकट राव
- दीपिका रेड्डी
- डॉ. पालकोंडा विजय आनंद रेड्डी
- हरिचरण शइकीया
- प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री
- प्रो. शफी शौक
- बलदेव सिंह
- युमनाम जात्रा सिंह (मरणोपरांत)
- डॉ. अशोक कुमार सिंह
- शिवशंकरी
- डॉ. आर. श्रीधर
- प्रो. श्याम सुन्दर
- डॉ. एस. जी. सुशीलम्मा
- एन. स्वामीनादन
- डॉ. केवल कृष्ण ठकराल
- डॉ. गोपाल जी त्रिवेदी (मरणोपरांत)
- अरविंद वैद्य
- प्रो. जुजर वासी
- डॉ. नारायण व्यास
- हैली वार
- प्रो. गम्बीर सिंह योन्जन

उदय सुरेशकुमार कोटक

भारत के अग्रणी बैंकरों और वित्तीय सेवा क्षेत्र के पथप्रदर्शकों में से एक उदय सुरेश कुमार कोटक ने भारत के प्रमुख निजी बैंकों में से एक के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 15 मार्च 1959 को जन्मे कोटक ने 1985 में कोटक महिंद्रा फाइनेंस लिमिटेड की स्थापना की। यह कंपनी बाद में निवेश बैंकिंग, स्टॉक ब्रोकिंग, बीमा, कार फाइनेंस और म्यूचुअल फंड जैसी सेवाओं में विस्तारित हुई। मार्च 2003 में यह कोटक महिंद्रा बैंक बना, जो भारतीय रिजर्व बैंक से बैंकिंग लाइसेंस प्राप्त करने वाली पहली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी थी। उन्होंने बैंक का विस्तार किया और 2014 में आईएनजी वैश्य बैंक के अधिग्रहण के माध्यम से इसकी स्थिति को और मजबूत बनाया। उन्होंने भारत के बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डॉ. कल्लिपट्टि रामासामी पलनिस्वामी

डॉ. कल्लिपट्टी रामासामी पलनिस्वामी चार दशकों से अधिक अनुभव वाले एक प्रतिष्ठित गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट हैं। 15 मार्च 1949 को तमिलनाडु के गांव कल्लिपट्टी में एक कृषक परिवार में जन्मे डॉ. पलानीस्वामी ने 1972 में मैसूर विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 1981 में मद्रास मेडिकल कॉलेज से डीएम (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी) की उपाधि प्राप्त की। 1986 में स्टेनली मेडिकल कॉलेज में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग की स्थापना की। वर्ष 2000 तक उत्तरी चेन्नई के गरीब लोगों की सेवा करते हुए विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। गरीब एवं वंचित लोगों की सेवा के प्रति वे विशेष रूप से समर्पित रहे हैं। तीन दशकों से अधिक समय तक उन्होंने चेन्नई के रामकृष्ण मठ चिकित्सालय में स्वैच्छिक सेवाएं दीं। उन्होंने अपने गांव कल्लिपट्टी में स्वास्थ्य शिविर लगाए। साथ ही गांव में पुल, विद्युत उपकेंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन तथा भूजल सुधार हेतु चेक-डैम जैसी आधारभूत सुविधाओं के विकास में योगदान दिया। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें 2007 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (मरणोपरांत)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा एक प्रतिष्ठित भारतीय राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद् और खेल प्रशासक थे। 3 दिसंबर 1931 को लाहौर में प्रो. मल्होत्रा का जन्म हुआ। उन्होंने हिंदी साहित्य में उच्च शिक्षा प्राप्त की और कवि सोहनलाल द्विवेदी पर पीएच. डी. की। लगभग 36 वर्षों तक उन्होंने दिल्ली के पीजीडीएवी कॉलेज में अध्यापन किया। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे और राजनीति में सक्रिय हुए। 1967 में मात्र 35 वर्ष की आयु में दिल्ली के सबसे युवा मुख्य कार्यकारी पार्षद बने। वे पांच बार सांसद और दो बार विधायक रहे। 1999 में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को चुनाव में पराजित किया। खेल प्रशासन में भी उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष रहे और इस खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। आवास, शिक्षा, खेल और झुग्गी पुनर्वास जैसे क्षेत्रों में उनके योगदान ने दिल्ली के विकास पर गहरी छाप छोड़ी। 30 सितंबर 2025 को उनका निधन हो गया।

पीयूष पांडेय (मरणोपरांत)

पीयूष पांडेय भारतीय विज्ञापन जगत की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक थे। उन्होंने भारतीय विज्ञापन उद्योग को नई दिशा दी। अपनी रचनात्मकता, रणनीतिक दृष्टि तथा सांस्कृतिक समझ के माध्यम से इस क्षेत्र पर अमिट प्रभाव छोड़ा। 5 सितंबर 1955 को जन्मे पांडेय ने अपने करियर में अनेक ऐतिहासिक विज्ञापन अभियान चलाए। पोलियो उन्मूलन के लिए 'दो बूंद जिंदगी की' तथा 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' जैसे अभियान केवल विज्ञापन नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक प्रतीक बन गए। उनकी रचनात्मक क्षमता ने भारतीय विज्ञापन उद्योग को नई पहचान दी। उन्हें 2016 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 24 अक्टूबर 2025 को उनका निधन हो गया। उनका कार्य और दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। वे भारतीय विज्ञापन जगत के एक सच्चे अग्रदूत के रूप में सदैव याद किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

यूरोप से खाड़ी तक : भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का प्रदर्शन

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा भारत की नई वैश्विक रणनीति का सशक्त प्रदर्शन है। ऊर्जा सुरक्षा से लेकर हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग, निवेश, नवाचार और सामरिक साझेदारी तक, इस दौरे ने भारत के बहुआयामी हितों को नई गति दी। यह यात्रा ऐसे समय में हुई जब दुनिया नए शक्ति संतुलन की ओर बढ़ रही है और भारत स्वयं को एक भरोसेमंद, निर्णायक और विकासोन्मुख वैश्विक साझेदार के रूप में कर रहा है स्थापित...

पांच देशों की यात्रा के दौरान (15 से 20 मई) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके समकक्ष नेताओं के बीच द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बदलते वैश्विक परिदृश्य में हुई उच्चस्तरीय वार्ताओं में भारत के आर्थिक, सामरिक और वैश्विक हितों को केंद्र में रखा गया। इन बैठकों में ऊर्जा सुरक्षा, हरित विकास, रक्षा सहयोग, तकनीकी नवाचार, डिजिटल साझेदारी, जल प्रबंधन, निवेश और व्यापार विस्तार जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।

यूएई के साथ जहां ऊर्जा और निवेश संबंधों को नई मजबूती मिली वहीं यूरोपीय देशों के साथ भारत ने भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी भूमिका को और सशक्त किया। इस यात्रा ने "विकसित भारत" के विजन को विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती प्रभावशीलता और नेतृत्व क्षमता को भी रेखांकित किया।

भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच विस्तृत बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई पर हुए हमलों की निंदा की और भारत ने साथ खड़े रहने की प्रतिबद्धता जताई। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही और निर्बाध समुद्री मार्ग बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। भारत का मानना है कि यह क्षेत्रीय शांति, स्थिरता, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है।

दोनों नेताओं ने भारत-यूएई ऊर्जा साझेदारी के लगातार मजबूत होने पर संतोष जताया और इसे आगे बढ़ाने के लिए नई पहल करने पर सहमति व्यक्त की। इसी क्रम में इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के बीच रणनीतिक सहयोग समझौते का भी स्वागत किया गया। इसके तहत भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में यूएई की हिस्सेदारी बढ़ाकर 3 करोड़ बैरल की जाएगी। साथ ही, दोनों देश भारत में रणनीतिक गैस भंडार स्थापित करने के लिए भी मिलकर काम करेंगे। दोनों नेताओं ने यूएई की कंपनियों द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा का भी स्वागत किया। इसमें अमीरात न्यू डेवलपमेंट बैंक द्वारा आरबीएल बैंक में 3 अरब डॉलर, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी द्वारा राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष के साथ 1 अरब डॉलर और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी द्वारा सम्मान कैपिटल में 1 अरब डॉलर का निवेश शामिल है।

भारत-इटली

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान की। दोनों नेताओं ने भारत-इटली संबंधों को "विशेष रणनीतिक साझेदारी" के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। साथ ही राजनीतिक संवाद, आर्थिक सहयोग और निवेश, कनेक्टिविटी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्टार्टअप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सुपरकंप्यूटिंग, अंतरिक्ष, रक्षा, सुरक्षा, संस्कृति और शैक्षिक आदान-प्रदान जैसे विषयों पर मिलकर काम करने का निर्णय लिया है।

दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र को वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाने के लिए उसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक आपूर्ति के सामान्य प्रवाह को फिर से शुरू करने का भी दोनों नेताओं ने आह्वान किया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक विस्तारित करने का लक्ष्य तय किया। वर्ष 2027 को 'भारत और इटली के बीच संस्कृति और पर्यटन वर्ष' के रूप में मनाने पर भी सहमति बनी।

भारत-डेनमार्क द्विपक्षीय सहयोग

ओस्लो में भारत-नॉर्डिक तृतीय शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डेनमार्क की कार्यवाहक प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के बीच मुलाकात हुई। इस मुलाकात में दोनों नेताओं

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

द रॉयल नॉर्वे ऑर्डर ऑफ मेरिट के ग्रैंड क्रॉस से सम्मानित

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नॉर्वे के सम्राट हेराल्ड पंचम ने ओस्लो में आयोजित एक विशेष समारोह में 'द रॉयल नॉर्वे ऑर्डर ऑफ मेरिट के ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया।
- विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को प्रदान किया जाने वाला यह नॉर्वे का सर्वोच्च सम्मान है। यह सम्मान नॉर्वे तथा मानवता के हित में उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को भारत और नॉर्वे के बीच ऐतिहासिक मित्रता को समर्पित करते हुए भारत और नॉर्वे की जनता के बीच साझा की गई अटूट गर्मजोशी, विश्वास और स्नेह के प्रति श्रद्धांजलि बताया।

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

ने द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। दोनों देशों ने हरित रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति का स्वागत किया जो पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में सहयोग को प्राथमिकता देती है। दोनों देशों ने नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, संचार, उन्नत अनुसंधान, स्टार्टअप और अकादमिक आदान-प्रदान में सहयोग को और सुदृढ़ करने का निर्णय लिया। जल क्षेत्र में दोनों नेताओं ने वाराणसी में स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला की स्थापना के लिए भारत और डेनमार्क के बीच सफल सहयोग का उल्लेख किया।

भारत-नॉर्वे के बीच द्विपक्षीय वार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओस्लो में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने भारत-नॉर्वे संबंधों की समीक्षा की। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश, आर्थिक साझेदारी समझौते, ऊर्जा परिवर्तन, ब्लू इकोनॉमी और ओशन गवर्नेंस, अनुसंधान एवं उच्च शिक्षा, आर्कटिक व ध्रुवीय सहयोग, अंतरिक्ष और टैलेंट मोबिलिटी पर बातचीत हुई। दोनों देश अपने संबंधों को 'ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' के रूप में उन्नत करने पर सहमत हुए, जो सतत विकास और हरित प्रगति के प्रति साझा प्रतिबद्धता है। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक भारत और नॉर्वे के बीच वर्तमान व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है, ताकि टीईपीए के तहत 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता को पूरा किया जा सके। ऐसा होने से भारत में 10 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जा सकेंगे। भारत ने नॉर्वे को जून 2026

एग्रीकोला मेडल से सम्मानित

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रोम स्थित खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार भारत और वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा, सतत कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उनके असाधारण नेतृत्व को मान्यता देते हुए प्रदान किया गया।
- पीएम मोदी ने इस सम्मान को भारतीय किसानों और भारतीय कृषि वैज्ञानिक समुदाय को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

प्रधानमंत्री का पूरा कार्यक्रम देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

'मेक इन इंडिया' से ग्लोबल साझेदारी तक

ओस्लो में आयोजित इंडिया-नॉर्वे व्यापार और अनुसंधान शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में 50 से अधिक कंपनियों के सीईओ, नॉर्वे और भारत के व्यापार एवं अनुसंधान समुदायों के 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस व्यापार एवं अनुसंधान शिखर सम्मेलन से पहले ओस्लो के विभिन्न स्थानों पर चार गोलमेज सत्र आयोजित किए गए। नॉर्वे के निवेशकों को ब्लू इकोनॉमी, जहाज निर्माण, हरित संक्रमण, नवीकरणीय ऊर्जा, हेल्थ-टेक, महत्वपूर्ण खनिजों और स्टार्टअप जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत में निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के व्यापार समुदायों से नई साझेदारियां स्थापित करने, सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने के साथ ही आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा, बंदरगाह, स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों की महत्वपूर्ण डच कंपनियों के प्रमुख मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की आर्थिक गतिशीलता में डच कंपनियों की बढ़ती रुचि की सराहना की। उद्योग जगत के नेताओं ने भारत सरकार के सुधार एजेंडा की सराहना की और भारत के लिए अपनी भावी योजनाओं को साझा किया।

स्वीडन कंपनियों के सीईओ से बतचीत

पीएम मोदी ने स्वीडन कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत-स्वीडन साझेदारी आर्थिक संबंध मात्र नहीं है, बल्कि विचारों, प्रौद्योगिकी, नवाचार और सह-निर्माण की साझेदारी है।

पीएम मोदी ने भारत में तेजी से हो रहे आर्थिक बदलाव की जानकारी दी जो सुधारों, मजबूत घरेलू मांग, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, विनिर्माण के विस्तार और नई पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के विकास से प्रेरित है। स्वीडिश कंपनियों को 'मेक इन इंडिया', 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन', 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन' जैसी योजनाओं के तहत भारत में उपस्थिति बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया।

यूरोपीय उद्योग गोलमेज

पीएम मोदी ने गोथेनबर्ग में यूरोपीय उद्योग गोलमेज में भारत और यूरोप के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य को रेखांकित किया। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में हो रही प्रगति का स्वागत किया। भारत आज निवेश, नवाचार और विनिर्माण के लिए विश्व के सबसे आकर्षक गंतव्यों में से एक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर बल दिया कि भारत और यूरोप को मिलकर लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के युवा और कुशल कार्यबल को भविष्य की वैश्विक आर्थिक वृद्धि के लिए एक प्रमुख शक्ति बताया।

में फ्रांस में आयोजित होने वाले 'भारत इनोवेट्स 2026' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। दोनों देशों के बीच एक स्टार्टअप इनोवेशन हब और ग्रीन इनोवेशन हैकाथॉन स्थापित करने का भी सुझाव दिया गया। दोनों नेताओं ने सभी प्रकार के आतंकवाद की एक स्वर में निंदा की।

भारत और नीदरलैंड के बीच वार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रोब जेटेन के साथ उनके आधिकारिक निवास (कैटश्यूस) में वार्ता की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत-नीदरलैंड संबंधों को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक

पीएम मोदी को स्वीडन का सम्मान

- स्वीडन में आयोजित एक विशेष समारोह में, स्वीडन की क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया।
- यह स्वीडन के सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है, जिसकी स्थापना 18वीं शताब्दी में की गई थी।
- यह सम्मान स्वीडन द्वारा विदेशी शासनाध्यक्षों को असाधारण लोक सेवा तथा स्वीडन के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने में योगदान देने के लिए प्रदान किया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।
- पीएम मोदी ने यह सम्मान भारत के 140 करोड़ लोगों तथा भारत और स्वीडन के बीच स्थायी मित्रता को समर्पित किया।

चोल ताम्रपत्रों की वापसी

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन की उपस्थिति में, लाइडेन विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने 11वीं शताब्दी के चोल ताम्रपत्र भारत सरकार को लौटा दिए। चोल ताम्रपत्र, जिनमें 21 बड़े ताम्रपत्र और 3 छोटे ताम्रपत्र सम्मिलित हैं। 11वीं शताब्दी के दौरान चोल राजाओं द्वारा जारी किए गए शाही अभिलेख हैं। इन ताम्रपत्रों में तमिल तथा संस्कृत भाषाओं में लिखित पाठ अंकित हैं।

साझेदारी' के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया। व्यापार-निवेश, रक्षा-सुरक्षा, उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, समुद्री क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग को अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए सामरिक साझेदारी रोडमैप अपनाने पर सहमति जताई।

दोनों नेताओं ने आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर सहित उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग का भी आह्वान किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने 'मोबिलिटी पार्टनरशिप' और उच्च शिक्षा में सहयोग को मजबूत करने के लिए की गई नई पहलों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इस संबंध में, नालंदा विश्वविद्यालय और ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय के बीच संपन्न हुए समझौते का विशेष रूप से उल्लेख किया। आधिकारिक वार्ता के बाद, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, व्यापार, मोबिलिटी, जल, कृषि और स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्रों में 14 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। ■

Narendra Modi
@narendramodi

Different parts of India are witnessing soaring temperatures and the challenges that come with it. This heat is harsh on all of us and I urge you all to take as many precautions as possible. Please stay hydrated, keep water with you when stepping out. Offer a glass of water to others. In weather like this, such kindness goes a long way.

Rajnath Singh
@rajnathsingh

डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से उत्तर प्रदेश, भारत के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बना रहा है। यहाँ लखनऊ में ब्रह्मोस का भी निर्माण हो रहा है। और भी कई तरह से उत्तर प्रदेश, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को मज़बूत कर रहा है।

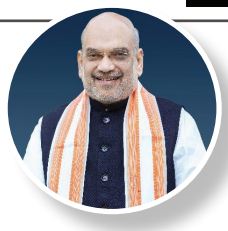

Amit Shah
@AmitShah

BSF के पराक्रम को जन-जन तक पहुँचाने के लिए गुजरात में एक सेंटर बना। यहाँ के फीडबैक फॉर्म पर कई माँओं ने लिखा - हमारे बच्चे BSF में जाएँ तो हमें गर्व होगा।

Nitin Gadkari
@nitin_gadkari

For decades, street vendors powered our cities but remained unseen in policy and finance. Under the visionary leadership of Prime Minister Shri @narendramodi Ji, PM SVANidhi has transformed lives—providing identity, collateral-free credit, and digital inclusion.

Jagat Prakash Nadda
@JPNadda

NCD स्क्रीनिंग के तहत अब तक 36 करोड़ लोगों की Oral Cancer, 17 करोड़ महिलाओं की Breast Cancer, 9 करोड़ महिलाओं की Cervical Cancer तथा 42-42 करोड़ लोगों की Hypertension और Diabetes के लिए स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

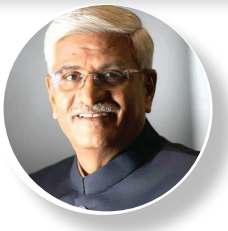

Gajendra Singh Shekhawat
@gssjodhpur

भारत अब सुपर 'सोलर'-पॉवर भी !

भारत वर्ष 2025 में वार्षिक सोलर क्षमता वृद्धि के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर मार्केट बन गया है। एक ही वर्ष में लगभग 50 GW नई सौर क्षमता जोड़ी गई।

विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण हैं : मोदी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर विनम्रता और क्षमाशीलता को लेकर संस्कृत सुभाषित शेयर किया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण हैं। इन गुणों के साथ ही आज देशवासी विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में निरंतर जुटे हैं।

प्रधानमंत्री ने 'तेज: क्षमा धृति: शौचमद्रोहो नातिमानिता। भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।।' संस्कृत श्लोक भी साझा किया है। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि तेजस्विता, क्षमाशीलता, अदम्य धैर्य, आचरण की पवित्रता, राष्ट्र के प्रति निष्कपट भाव तथा अहंकाररहित व्यक्तित्व ये सभी गुण दैवी संपदा को प्राप्त व्यक्तित्व के लक्षण कहे गए हैं।

बता दें कि प्रधानमंत्री की ओर से गुरुवार को भी सुभाषित शेयर किया गया था। उन्होंने लिखा था कि महान क्रांतिकारी और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक वीर सावरकर जी को उनकी जयंती पर सादर नमन! वीरता और बौद्धिकता से भरा उनका व्यक्तित्व देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

पीएम ने 'अनन्तोद्भूतभूतौघसङ्कुले भूतलेऽखिले। शस्त्रे शास्त्रे त्रिचतुराश्चतुरा यदि मादृशा:।।' श्लोक साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि संसार में अनेक लोग केवल ज्ञान या केवल शक्ति के लिए प्रसिद्ध होते हैं, किंतु वास्तव में वे धीर गंभीर व्यक्तित्व अत्यंत विरले होते हैं जो ज्ञान और पराक्रम दोनों से युक्त हों।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को शेयर किए गए सुभाषित में लिखा था कि निरंतर प्रयास, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। आज देशवासी इसी भावना से भारतवर्ष को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहे हैं। उन्होंने 'यो यमर्थं प्रार्थयते तदर्थं चेहते क्रमात्। अवश्यं स तमाप्नोति न चेदर्थान् निवर्तते।।' जिसका हिंदी अर्थ होता है कि जो व्यक्ति जिस लक्ष्य की प्रार्थना या इच्छा करता है और उसे पाने के लिए निरंतर क्रमबद्ध प्रयास करता है, वह उस लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लेता है, बशर्ते वह बीच में हार मानकर अपने मार्ग से पीछे न हटे

स्वनिधि योजना ने लाखों रेहड़ी-पटरी वालों को किया सशक्त : मोदी

पीएम ने योजना के लाभार्थियों को दी बधाई, उनके दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता को सराहा

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के दौरान रेहड़ी-पटरी और छोटे दुकानदारों की मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना ने सोमवार को छह साल पूरे कर लिए। इस दौरान देशभर में रेहड़ी-पटरी वालों को 1.12 करोड़ से अधिक बिना किसी गारंटी के ऋण मंजूर हुए और लाभार्थियों को 17,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी गई।

इससे लाखों रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदल गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योजना के लाभार्थियों को बधाई दी और उनके दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता की सराहना की। पीएम मोदी ने रेहड़ी-पटरी वालों की कड़ी मेहनत, संघर्षों और योगदान को पहचानते हुए शहरी गरीबों को सशक्त

बनाने और उनकी आजीविका को मजबूत करने के विजन के साथ एक जून 2020 में पीएम स्वनिधि योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य केवल बिना किसी गारंटी के ऋण देना ही नहीं था, बल्कि रेहड़ी-पटरी वालों को सम्मान, आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने के अवसर सुनिश्चित करना भी था, ताकि उन्हें आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक पहचान मिल सके। अब यह योजना न केवल एक माइक्रो-क्रेडिट कार्यक्रम, बल्कि देश के करोड़ों लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने वाला बड़ा आर्थिक मॉडल बन चुकी है। ब्यूरो

उपलब्धियां : करीब 9 लाख करोड़ का डिजिटल लेनदेन

इस योजना के तहत अब तक 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी वालों को लाभ मिला है। 1.12 करोड़ से ज्यादा ऋण बांटे गए, जिसकी कुल राशि 17,800 करोड़ रुपये से अधिक है। साथ ही 55 लाख से अधिक लाभार्थियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया। लाभार्थियों में 34.81 लाख महिलाएं भी हैं। इन लाभार्थियों ने मिलकर करीब 8.96 लाख करोड़ मूल्य के 841 करोड़ से अधिक डिजिटल लेनदेन किए। लाभार्थियों को 800 करोड़ रुपये से अधिक की कैशबैक और ब्याज सब्सिडी भी दी गई।

आय में 20% की सालाना बढ़ोतरी दर्ज हुई : योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिए 2023 और 2025 में स्वतंत्र सर्वे कराए गए। इनमें पाया गया कि लाभार्थियों की आय में औसतन करीब 20 फीसदी सालाना वृद्धि हुई। सिर्फ आय ही नहीं, बल्कि आवासीय स्थिरता, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार हुआ है।

योजना की खास बातें

- 15,000 रुपये, 25,000 और 50,000 की तीन अलग-अलग किस्तों में बिना किसी गारंटी के ऋण दिया जाता है। इसके साथ ही इसमें ब्याज पर सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी भी मिलती है।
- जो लाभार्थी दूसरी किस्त का ऋण सफलतापूर्वक चुका देते हैं, वे 30,000 तक की लिमिट वाले यूपीआई-लिंक्ड रूपे क्रेडिट कार्ड के पात्र हो जाते हैं।
- डिजिटल प्रक्रिया को अपनाने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए रेहड़ी-पटरी वालों को खुदरा/थोक डिजिटल लेनदेन पर 1600 रुपये तक का कैशबैक प्रोत्साहन दिया जाता है।
- विक्रेताओं को एफएसएसएआई के सहयोग से वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता और खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता में प्रशिक्षण दिया जाता है।

'मन की बात' में बोले पीएम, भारतीय खेलों का उज्ज्वल भविष्य

राष्ट्रीय खेलों में चार रिकार्ड बनना नए व आकांक्षी भारत का प्रतीक

भारत-म्यांमार: रक्षा, व्यापार व कनेक्टिविटी पर सहमति

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

म्यांमार ने भारत को भरोसा दिलाया कि उसकी जमीन का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के खिलाफ नहीं होने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के बीच सोमवार को नई दिल्ली में हुई व्यापक वार्ता में दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, सीमा सुरक्षा और कनेक्टिविटी से जुड़े मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। मिन आंग ह्लाइंग पांच दिन की भारत यात्रा पर हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब वे हाल ही में म्यांमार के संसदीय चुनावों के बाद राष्ट्रपति बने हैं।

3.25 लाख करोड़ रुपये में 114 राफेल खरीदेगा भारत फ्रांस को भेजा अनुरोध पत्र

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए फ्रांस सरकार को अनुरोध पत्र जारी कर दिया है। यह कदम करीब 3.25 लाख करोड़ की अनुमानित लागत वाले इस सौदे की औपचारिक शुरुआत है। इस बड़े रक्षा सौदे की सबसे खास बात इसका मेक इन इंडिया मॉडल है।

इसके तहत 114 विमानों में से 94 का निर्माण भारत में ही किया जाएगा। जबकि राफेल की एक स्क्वॉड्रन (लगभग 18 विमान) फ्रांस सीधे भारत भेजेगा। भारत में राफेल के पुर्जों के निर्माण के लिए आधारभूत ढांचा पहले से ही तैयार हो रहा है। नागपुर में डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड के बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है।

बढ़ेगी ताकत : वायुसेना में फाइटर स्क्वाड्रन की संख्या लगातार कम हुई है। चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौतियों के मद्देनजर वायुसेना को लड़ाकू विमानों की सख्त जरूरत है। वायुसेना के पास पहले से मौजूद 36 राफेल विमानों की कामयाबी देखकर सरकार ने बड़े पैमाने पर इस डील को आगे बढ़ाने का फैसला किया था। ब्यूरो

बिहार के सत्तू व जर्दालु आम का कोई मुकाबला नहीं; ये ताकत देगा: पीएम

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में बिहार के खान-पान और यहां के खास फलों का महत्व बताया। भीषण गर्मी के इस मौसम में पीएम ने देशवासियों को बचाव के उपाय बताते हुए बिहार के सत्तू और जर्दालु आम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बिहार का सत्तू न केवल गर्मी से बचाता है, बल्कि यह शरीर को अद्भुत ताकत भी देता है।

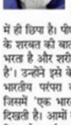

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में इन दिनों प्रचंड गर्मी है। ऐसे में लू से बचने का तरीका हमारी अपनी रसोई में ही छिपा है। पीएम ने कहा, 'बिहार के सत्तू के शरबत की बात ही निराली है। यह पेट भी भरता है और शरीर को भरपूर ताकत भी देता है'। उन्होंने इसे केवल एक पेय नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा का अहम हिस्सा बताया, जिसमें 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है। आमों की चर्चा करते हुए मोदी ने बिहार के जर्दालु आम को विशेष दर्जा दिया। उन्होंने कहा कि हर इलाके के आम की अपनी पहचान होती है, लेकिन जर्दालु आम की खुशबू इतनी बेजोड़ है कि इसे दूर से ही पहचाना जा सकता है। पीएम ने खुशी जताई कि अब आम केवल गांवों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्लोबल मार्केट तक पहुंच चुका है। प्रधानमंत्री ने देसी खान-पान को प्रमोट करते हुए कहा कि सत्तू, आम का पना, लस्सी और छाछ जैसी चीजें किसी बड़ी ब्रांडिंग का नतीजा नहीं हैं, बल्कि इनमें हमारी पीढ़ियों का अनुभव समाया हुआ है। ये सीधे हमारे खेतों और खलिहानों से निकली शुद्ध चीजें हैं।

इसके अलावा पीएम ने नीदरलैंड से चोल काल की प्राचीन तांबे की थालियों की भारत वापसी को सांस्कृतिक विरासत का गर्वपूर्ण क्षण बताया।

मन की बात में पीएम की खास बातें...

गर्मी से बचाव: पानी पीते रहें और जरूरी होने पर ही धूप में निकलें। **देसी स्वाद:** पंजाब-हरियाणा की लस्सी और राजस्थान-गुजरात की छाछ की तरह बिहार का सत्तू लाजवाब है। **काशी का जिक्र:** काशी के लंगड़ा आम की खासियत बताई कि पकने के बाद भी यह हरा रहता है। **किसानों का सम्मान:** आम उत्पादकों के परिश्रम की सराहना की।

झारखंड के धावकों की तारीफ कर बोले पीएम- ये देश के भविष्य

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में रांची में हुई 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता 2026 की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड बनाने वाले एथलीट देश का भविष्य हैं और भारतीय खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। पीएम ने कहा कि पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में दो दिन के भीतर तीन बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटना खिलाड़ियों के बीच सकारात्मक 'जुगलबंदी' दिखाता है। उन्होंने गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार को बधाई दी।

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस - 27 जून 2026

एमएसएमई : सामाजिक-आर्थिक प्रगति का प्रमुख स्तंभ

भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह कम पूंजी लागत पर पर्याप्त रोजगार सृजित करता है, सहायक इकाइयों के रूप में बड़े उद्योगों को सहयोग प्रदान करता है। ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगीकरण को बढ़ावा देता है। 27 जून को हर साल अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस मनाया जाता है। भारत सरकार का एमएसएमई मंत्रालय अपने विभिन्न संगठनों एवं संस्थानों के सहयोग से इस क्षेत्र के विकास को निरंतर दे रहा है बढ़ावा...

स्वदेशी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते एमएसएमई

- एमएसएमई का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 31 प्रतिशत से ज्यादा और निर्यात में 48.58 प्रतिशत योगदान।
- देश भर में 32.8 करोड़ आबादी की आजीविका एमएसएमई पर निर्भर है। 7.9 करोड़ से ज्यादा उद्यम औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल हुए।
- 'जेम', 'ट्रेड्स' और 'समाधान' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों से बाजार तक पहुंच बेहतर करने और भुगतान में तेजी लाने के लिए एमएसएमई को दी जा रही सहायता।

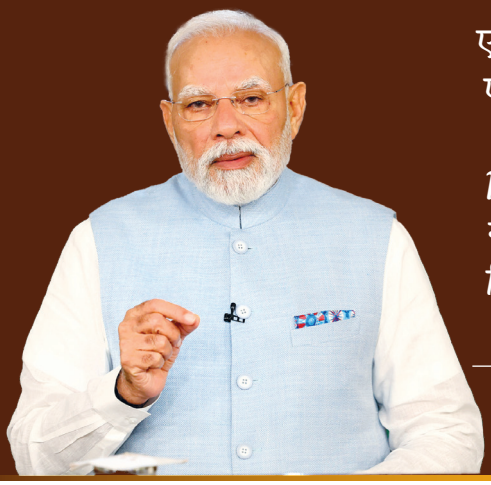

"भारत के मैन्युफैक्चरिंग की, हमारी इंडस्ट्रियल ग्रोथ की बैकबोन हमारा एमएसएमई सेक्टर है। 2020 में हमने एमएसएमई की परिभाषा को रिवाइज करने का बड़ा फैसला लिया। ऐसा 14 साल बाद किया गया। इस फैसले से एमएसएमई का यह डर खत्म हुआ कि अगर वो आगे बढ़ेंगे तो सरकार से मिलने वाले लाभ बंद हो जाएंगे।"

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

न्यू इंडिया समाचार पाक्षिक

आर.एन.आई, DELHIN/2020/78812, 16-30 जून, 2026

आरएनआई DELHIN/2020/78812 (प्रकाशन तिथि- 5 जून 2026, कुल पृष्ठ-36)

प्रधान संपादक
धीरेन्द्र ओझा, प्रधान महानिदेशक
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली

प्रकाशक
कंचन प्रसाद
महानिदेशक, केंद्रीय संचार ब्यूरो

कमरा संख्या-278, केंद्रीय संचार ब्यूरो,
सूचना भवन, द्वितीय तल,
नई दिल्ली- 110003 से प्रकाशित